28 जुलाई, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 278

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

चाइबासा में नक्सलियों के 35 लाख बरामद

मीडिया मार्केटिंग इनिशिएटिव

बाबा बैद्यनाथधाम-बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार
(कार्यालय, बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर)

सावन को सोमवार आत्मिक जागरण, प्रकृति से जुड़ाव और अध्यात्यामिक ऊर्जा से अपने को भरने का पावन अवसर है

सावन का सोमवार सनातन धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह न केवल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि का भी अवसर प्रदान करता है। सावन मास भगवान शिव को समर्पित है और सोमवार का दिन विशेष रूप से शिवजी को प्रिय माना जाता है। इस महीने के प्रत्येक सोमवार को भक्तगण उपवास रखते हैं, जलाभिषेक करते हैं और 'ॐ नमः शिवाय' का जप कर शिव कृपा की कामना करते हैं।

इस दिन देशभर के शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मंदिरों में बेलपत्र, धतूरा, आक, गंगाजल और दूध से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व भी इसी महीने में देखने को मिलता है, जब लाखों कांवड़िए गंगाजल लेकर शिवधाम पहुंचते हैं और भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

सावन सोमवार व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए और विवाहित महिलाएं सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए रखती हैं। इस दिन व्रत रखने से मनोकामनाओं की पूर्ति और पापों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो उसे भगवान शिव ने पी लिया था। यह घटना सावन माह में हुई थी, इसलिए इस महीने में शिव की पूजा और उपवास का विशेष महत्व है।

आधुनिक दौर में भी यह परंपरा पूरी श्रद्धा से निभाई जाती है सोशल मीडिया पर 'हर हर महादेव' की गूंज सुनाई देती है, और हर घर में शिवभक्ति की सुगंध फैलती है। सावन का सोमवार केवल व्रत का दिन नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण, प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरने का पावन अवसर है।

श्रावणी मेला

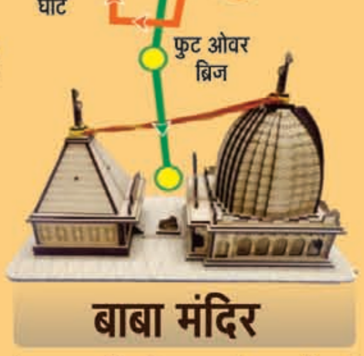

कांवड़ यात्रा

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग पर गंगा जल या पवित्र जल अर्पित करने की परंपरा को कांवड़ यात्रा कहते है। यह जल पवित्र स्थान से अपने कंधे पर लाकर भगवान शिव को सावन के महीने में अर्पित किया जाता है। कांवड़ यात्रा के दौरान हर भक्त बोल-बम के नारे लगाते हुए पैदल यात्रा करते हैं। मान्यता के अनुसार, कांवड़ यात्रा करने वाले भक्तो को अश्वमेध यज्ञ जितना फल प्राप्त होता है।

कांवड़ यात्रा का इतिहास

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के परम भक्त परशुराम ने सबसे पहले सावन मास में कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। कहा जाता है कि तभी से संतों और ऋषियों के द्वारा की जाती रही। बाद में कांवड़ यात्रा को भक्तों द्वारा विशेष तौर पर मनाया जाने लगा। कांवड़ यात्रा मुख्य तौर पर सावन के महीने में मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा में पुरुष ही नहीं बल्कि महिला भक्त भी कांधे पर कांवड़ लेकर भोलेनाथ के द्वार जाती है।

कांवड़ यात्रा का महत्व

कांवड़ यात्रा बेहद पवित्र और कठिन मानी जाती है। जो कि पूरे भारत में विशेष रूप से उत्तर भारत में विभिन्न स्थानों से कांवरिया भक्त पवित्र नदियों से जल भरकर शिवजी को चढ़ाते हैं। कांवड़ में गंगाजल भरने से पहले कांवड़ की पूजा की जाती है। उसके बाद पवित्र पात्र में गंगाजल भरकर शिवालय पहुंचा जाता है। कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त शिव के भजन और नचारी गाते हुए शिव मंदिर पहुंचकर वहां शिवजी का गंगाजल से अभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं।

पुलिस विभाग के महत्वपूर्ण मोबाइल नंबर

एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग	9470591079
डीएसपी मुख्यालय वेंकटेश प्रसाद	9470591068
डीएसपी सीसी आर लक्ष्मण प्रसाद	9431137632
डीएसपी साइबर राजा मित्रा	9798302117
एसडीपीओ, देवघर अशोक कुमार	9470591066
मधुपुर एसडीपीओ सत्येंद प्रसाद	9470591067
सारठ एसडीपीओ, रंजीत कुमार लकड़ा	9798302235
नगर इंस्पेक्टर	9470591062
सदर इंस्पेक्टर	9470591063
सारवां इंस्पेक्टर	9431137633
मधुपुर इंस्पेक्टर	9470591064
पालोजोरी इंस्पेक्टर	9470591065
नगर थाना प्रभारी	9470591051
यातायात थाना प्रभारी देवघर	9693170832
कुंडा थाना प्रभारी	9470591051
मोहनपुर थाना प्रभारी	9470591053
सोनारायठाढ़ी थाना प्रभारी	9470591055
जसीडीह थाना प्रभारी	9470591052
बाबा मंदिर थाना प्रभारी	9431137947
साइबर थाना प्रभारी	9798302205
रिखिया थाना प्रभारी	9798302115
देवीपुर थाना प्रभारी	9431137631
सारवां थाना प्रभारी	9470591054
मधुपुर थाना प्रभारी	9470591056
करौ थाना प्रभारी	9470591057
मारगोमुंडा थाना प्रभारी	9798302132
बुढ़ेई थाना प्रभारी	9798302213
पाथरौल थाना प्रभारी	9798302105
पालोजोरी थाना प्रभारी	9470591059
सारठ थाना प्रभारी	9470591058
चितरा थाना प्रभारी	9470591060
खागा थाना प्रभारी	9798302085
पथरड्डा ओपी प्रभारी	9798302219

स्वच्छता और विनम्रता के साथ देवतुल्य श्रद्धालुओं को मिल रही विश्वस्तरीय सुविधाएं

V-COUNT मशीन द्वारा श्राद्धालुओं की गिनती की व्यवस्था

माइक्रोसॉफ्ट कायजाला ऐप के द्वारा दंडाधिकारियों के उपस्थिति का उचित अनुश्रवण व निगरानी की व्यवस्था

शिवगंगा एवं जलसार सरोवर में लेजर शो के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिखाया जा रहा बाबा मंदिर से जुड़ा इतिहास.

शिवलोक परिसर में श्रद्धालुओं हेतु प्रदर्शनी के माध्यम से भगवान शिव का इतिहास, शिव महिमा, कथावाचन व भजन संध्या का प्रतिदिनआयोजन

शीघ्र दर्शनम हेतु स्मार्ट कार्ड द्वारा सुलभ जलार्पण की व्यवस्था

बैद्यनाथ एप्प द्वारा क्युलाईन की निगरानी

वायु गुणवत्ता एवं विद्युत ताप सूचक यंत्र का प्रयोग

क्यू आर कोड स्कैन करें एवं श्रावणी मेला एप डाउनलोड करें

जी.पी.एस. युक्त एम्बुलेंस का प्रयोग

ड्रोन एवं सी.सी.टी.वी. कैमरा द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी

पत्रांक 255, दिनांक 10.07.2025

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

झारखंड की कोख को छलनी कर रहा है अवैध कोयला खनन

■ अवैध खदानों में पांच वर्षों में सात सौ से अधिक लोग गंवा चुके हैं जान
■ हर साल एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का है यह पूरा काला कारोबार
■ स्थानीय दबंग, माफिया और अपराधी चलाते हैं अवैध खनन का नेटवर्क

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में कोयले का अवैध खनन और फिर तस्करी का इतिहास कई दशक पुराना है। आज यह अवैध कारोबार इतना फैल चुका है कि इस पर नियंत्रण के तमाम उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। कोयले के इस अवैध कारोबार का आकार हर साल एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। अवैध खनन के बाद कोयले को खुलेआम सड़क मार्ग के जरिये ढोया जा रहा है। इस गोरखधंधे को रोकने का जिम्मा जिन एजेंसियों के पास है, वे अब निष्प्रभावी साबित हो गयी हैं। सबसे दुखद स्थिति यह है कि अवैध कोयला खनन के दौरान यदि कोई हादसा होता है, तो प्रभावित परिवारों को न तो कोई राहत मिलती है और न कोई मुआवजा। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि झारखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान सात सौ से अधिक लोगों की जान अवैध खदानों में जा चुकी है। इसके बावजूद यह कारोबार बिना किसी रुकावट से फल-फूल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों की मौन के कारण न अवैध खनन रुक रहा है और न ढुलाई पर अंकुश लग पा रहा है। इस पूरे नेटवर्क को स्थानीय दबंग, माफिया और अपराधी गिरोह संचालित करते हैं और खादी-खाकी का सहयोग उन्हें मिलता रहता है। कोयले का सबसे ज्यादा अवैध खनन कोयला कंपनियों की बंद और खुली छोड़ खदानों से होता है। इसके अलावा बंद मुहानों को फिर से खोदकर भी कोयले का अवैध खनन किया जाता है। अवैध खनन में तस्कर बाकायदा मजदूरों को भी दिहाड़ी में बहाल करते हैं। क्या है झारखंड में कोयले के अवैध खनन और कारोबार का पूरा अर्थशास्त्र, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

झारखंड के अलग-अलग जिलों में अवस्थित कोलियरी क्षेत्र से कोयले का अवैध खनन और फिर इसका परिवहन नयी बात नहीं है। यह अवैध धंधा पिछले पांच दशक से फलता-फूलता रहा है। हाल के दिनों में इस ओर लोगों का ध्यान गया है, क्योंकि पहले रामगढ़ के करमा और फिर धनबाद के केसरगढ़ में अवैध खनन के दौरान हुए हादसे में कई लोगों की मौत हो गयी।

छोटे स्तर पर हुई शुरुआत

झारखंड में कोयले के अवैध खनन की शुरुआत छोटे स्तर पर हुई, लेकिन धीरे-धीरे इसका स्वरूप वृहद होता गया। गिरिडीह हो या धनबाद, हजारीबाग हो या रामगढ़, चितरा हो या बोकारो, हर जगह संगठित गिरोह कोलियरी क्षेत्र के आसपास ही इस अवैध कार्य में जुटे रहे।

असुरक्षित तरीके से होता रहा खनन, जाती रही जान

पांच दशक पूर्व ही अवैध तरीके से धरती को खोदने और फिर अंदर से काला हीरा निकाल कर इसकी तस्करी शुरू की गयी। गिरिडीह और धनबाद के इलाके से अवैध खनन का यह काम चलता रहा। असुरक्षित तरीके से किये जा रहे खनन के दौरान अक्सरा भू-धंसान की घटना घटती रही और लोगों की जान जाती रही। ज्यादातर मामले में मृतक के परिजनों को डराया गया और फिर चुप कराया जाता रहा।

1975 से शुरू हुआ अवैध कारोबार

कहा जाता है कि कोयला खदान जब तक निजी हाथों में थी, तब तक अवैध खनन नहीं के बराबर होता था। वर्ष 1971 में कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण शुरू हुआ। राष्ट्रीयकरण होने के चंद वर्ष बाद से ही कोयले का अवैध खनन शुरू हो गया। जब कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण हुआ, तो भूमिगत खदान भी बंद होने लगी। तब बंद खदानों को तस्करों ने टारगेट किया और अवैध खनन का कारोबार शुरू हुआ।

मजदूर ने खोली खदान, हावी हुए माफिया

यह जानना दिलचस्प है कि गिरिडीह-धनबाद जैसे इलाके में अवैध खनन का काम शुरुआत में मजदूरों ने ही शुरू किया। मजदूर कोयला निकालते और उसी से इनका घर चलता था। धीरे-धीरे कई माफियाओं का उदय हुआ और अवैध खनन पर इनकी नजर पैनी होती गयी। बताते हैं कि 77-78 के बाद कई सफेदपोश भी इस धंधे में उतर गए। गिरिडीह हो या धनबाद या फिर हजारीबाग-रामगढ़, हर जगह माफिया राज चलने लगा। मजदूरों को लालच देकर खनन के लिए बुलाया जाता और कोयला निकाल कर उसे बाहर भेज दिया जाता। पूरी आमदनी माफियाओं-दबंगों की होती और मजदूरों को नाम मात्र का मेहनताना या फिर कोयले का थोड़ा हिस्सा देकर चुप करा दिया जाता।

अवैध खनन में प्रशिक्षित मजदूरों को लगाया जाता है

इस पूरे नेटवर्क का एक और चौंकानेवाला पहलू यह है कि अवैध खदानों में काम करने के लिए अधिकतर वैसे मजदूरों को लगाया जाता है, जो प्रशिक्षित होते हैं। इन्हें अंशकालिक रूप से काम पर रखा जाता है और ये नौकरी से छुट्टी लेकर अवैध खनन करते हैं। कई दफा ये मजदूर हादसे का शिकार हुए। अमूमन ज्यादातर मामले को दबा दिये गये लेकिन एक-दो मामले सामने भी आये।

दो तरह से होता है अवैध खनन

अवैध कोयला खनन का काम दो तरीके से किया जाता है। पहला तरीका सिरमोहन है, यानि गुफा की तरह का रास्ता बनाकर खदान के अंदर जाना और फिर कोयला काटना। दूसरा तरीका है कुएं की तरह मुहाना बनाना, फिर रस्सी-लट्ठे के सहारे अंदर जाना। इन दोनों तरीके में स्थानीय मजदूरों को महारथ हासिल है।

नुकसान की नहीं होती भरपाई

अवैध खनन का यह कारोबार करीब एक हजार करोड़ का है। इसके कारण कोल इंडिया को तो नुकसान होता ही है, सरकारी राजस्व को भी नुकसान हो रहा है। दूसरी तरफ चंद पैसे की खातिर इन खदानों में जाने वाले मजदूरों की मौत हो रही है। ऐसे गलत कार्य में मारे जाने वाले मजदूर की मौत के बाद परिजनों की चुप्पी के पीछे डर ही बड़ी वजह है। पहला डर होता है कि अगर परिजन बोलेंगे, तो पुलिस उनके साथ न्याय नहीं करेगी। उल्टा उन्हें ही फंसा देगी। दूसरा बड़ा कारण भी डर ही है। यह डर उन माफियाओं का रहता है, जो मजदूरों से अवैध खनन करवाते हैं। ऐसे माफिया किसी भी हद तक जा सकते हैं।

पांच साल में 60 से अधिक छोटे-बड़े हादसे

अवैध खनन के दौरान होनेवाले हादसों का कोई आधिकारिक आंकड़ा तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन जानकार बताते हैं कि पिछले पांच साल के दौरान 60 से अधिक छोटे-बड़े हादसे हुए हैं। इनमें सात सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। ज्यादातर हादसों को छिपाया गया। कोयला उद्योग में सक्रिय मजदूर नेता बताते हैं कि अवैध खनन के दौरान हादसा होता है और मजदूर मरते हैं। डर से परिजन माफियाओं का नाम नहीं बताते हैं। इस तरह की घटना के पीछे की बड़ी वजह बेरोजगारी है। बड़ी बात है कि ऐसी घटनाओं के बाद दोषारोपण मजदूरों पर किया जाता है, जो सही नहीं है। कार्रवाई भी मजदूरों पर होती है। सफेदपोशों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तो ऐसी घटना पर रोक कैसे लगेगी।

प्रधानमंत्री की विकसित भारत यात्रा में झारखंड पीछे नहीं : बाबूलाल मरांडी

विज्ञान और विरासत के आधार पर बनेगा विकसित भारत : कर्मवीर सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने रविवार को आम जनता के साथ बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण को सुना। प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह जिलांतर्गत चंदौरी मंडल में बूथ संख्या 116 पर कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने सरिया मंडल के बूथ संख्या 111/112 पर, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची महानगर के सुखदेव नगर मंडल स्थित बूथ संख्या 114 पर कार्यक्रम को सुना। श्री सिंह के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक बंका आदि शामिल रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम एक प्रेरक कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री द्वारा भारत की प्रगति, प्रकृति, संस्कृति, युवाओं के प्रयास, महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय अपने संबोधन में शामिल किए जाते हैं, जो नयी पीढ़ी को नयी दिशा देता हैं।

श्री मरांडी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा पर निकल पड़ा है, जिसमें झारखंड राज्य भी प्रमुखता से शामिल है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि भारत का जन मन एक महीने तक प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का इंतजार करता है। यह कार्यक्रम भारत की विकास यात्रा का एक संक्षिप्त दस्तावेज होता है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा विज्ञान और विरासत के साथ आगे बढ़ रही है। भारत के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समावेश से आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत का सपना नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा होगा।

मन की बात कार्यक्रम को प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,सहित प्रदेश, जिला और मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में बूथ पर सुना।

गोडसे की पूजा करनेवाले महात्मा गांधी को नहीं मान सकते : डॉ तनुज खत्री

गांधी की राह अहिंसा की है, भाजपा की राह गोडसे की

गोडसे की विचारधारा में पला हुआ नेतृत्व, गांधी को कैसे मानेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का यह बयान कि मोदीजी महात्मा गांधी के विचारों पर नहीं चलते, केवल एक व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि भाजपा की असली सोच का खुला कबूलनामा है। यह वही भाजपा है, जिसने संसद में नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहने वालों को बचाया, और आज उनके सांसद खुलेआम कह रहे हैं कि देश के प्रधानमंत्री महात्मा गांधी के विचारों पर नहीं चलते। इससे बड़ा विचारधारा का पर्दाफाश और क्या होगा? महात्मा गांधी ने इस देश को सत्य, अहिंसा और लोकतांत्रिक संवाद की राह दिखायी थी। अगर देश के प्रधानमंत्री उस राह पर नहीं चल रहे हैं, तो सवाल उठता है कि फिर वो किस रास्ते पर चल रहे हैं? कहीं वो वही रास्ता तो नहीं, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की सोच को जन्म दिया था? डॉ तनुज खत्री ने कहा कि हमारा देश महात्मा गांधी के विचारों पर चलता है और हम उन्हीं में आस्था रखते हैं। भाजपा का यह दोहरा चरित्र अब जनता के सामने आ चुका है। अगर महात्मा गांधी को न मानने वाला प्रधानमंत्री देश का नेतृत्व कर रहे हैं, तो यह केवल लोकतंत्र के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा के लिए भी खतरे की घंटी है।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई और 1 अगस्त को झारखंड में रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। राजधानी रांची, धनबाद और देवघर तीनों ही जिलों की पुलिस अलर्ट पर है।

धनबाद और देवघर में है राष्ट्रपति का कार्यक्रम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति धनबाद में आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। ऐसे में देवघर, रांची और धनबाद में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियों के साथ-साथ पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीजीपी और मुख्य सचिव ने भी बैठक कर कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर आईजी रैंक के एक अधिकारी को नोडल बनाया गया है, ताकि सुरक्षा में कोई त्रुटि न रह जाये।

राजधानी रांची में एयरपोर्ट से राजभवन जाने वाले रास्ते में भी सुरक्षा के विशेष व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति के आने-जाने के दरम्यान ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया जाएगा। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर राज्य के डीजीपी ने बताया कि राष्ट्रपति के झारखंड दौरे में कोई परेशानी नहीं होगी और कोई भी सुरक्षा में त्रुटि में न हो इसे लेकर हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई को अपने दो दिवसीय दौरे पर सबसे पहले रांची पहुचेंगी, जहां पर वे राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। 31 जुलाई को राष्ट्रपति रांची में रहेंगी इसलिए राजभवन से लेकर एयरपोर्ट तक सुरक्षा व्यवस्था बेहद पुख्ता की जा रही है।

मिलन समारोह में झामुमो, कांग्रेस के कई लोग आजसू में शामिल

हर मोर्चे पर सरकार नाकाम, विस सत्र में बनेगा मुद्दा : सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि आगामी झारखंड विधानसभा सत्र में उनकी पार्टी हेमंत सरकार की नाकामियों को मुद्दा बनायेगी। झामुमो-कांग्रेस ने जनता को दिग्भ्रमित कर दूसरी बार सरकार बनायी है, लेकिन मंत्रियों को जनमुद्दों की फिक्र नहीं। श्री महतो ने पार्टी मुख्यालय में मिलन समारोह के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आजसू ने झारखंड सरकार को अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए 6 माह का समय दिया था, लेकिन 9 माह बीत जाने के बाद भी झामुमो-कांग्रेस की सरकार जनता के हितों की रक्षा में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। कोयला, बालू, गिट्टी की तस्करी खुलेआम हो रही है। चुनाव जीतने के लिए झामुमो ने मइया योजना का इस्तेमाल किया, लेकिन अब 6 लाख महिलाओं का नाम क्यों काटा जा रहा है। इसके लिए सरकार को जवाब देना होगा।

ये भी रहे उपस्थित : इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष श्री डोमन सिंह मुंडा, मुख्य प्रवक्ता डॉ देव शरण भगत , झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, मुकुंद मेहता, संजय मेहता, इम्तियाज अहमद नज्मी, कुमुद वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, ऋतुराज शाहदेव, शहजादा अनवर, शादाब रजा आदि उपस्थित थे। संचालन संजय साहू ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन मो कैफ ने किया।

विभिन्न प्रखंडों से आजसू में आये झामुमो-कांग्रेस से कई कार्यकर्ता

आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में झामुमोझ्रकांग्रेस को छोड़ कई कार्यकर्ता आजसू पार्टी में शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत पट्टा और माला पहना कर किया। सदमा पंचायत, ओरमांझी के पूर्व मुखिया हरिलाल मुंडा, अमित टोप्पो, मोतीलाल टोप्पो, कांके क्षेत्र के मो वसीम, मो शाहबाज, रवींद्र नाथ चटर्जी, मकसूद खान, इकबाल आलम, रिजवान, राज, ओम प्रकाश साव, शाहिद, रितेश कुमार, बबलू मंसूरी, मुकेश कुजूर, अहमद अली, शाहिद अहमद एवं सलाउद्दीन सहित अनेक लोग पार्टी में शामिल हुए।

www.epaper.azadsipahi.in

28 जुलाई, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 278

ऑडिट में खुलासा : 500 रुपये के लिए भैया बने लाडकी बहन

Euro Kids Pre-School
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG) | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I | Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 124वां संस्करण

बसिया के युवक ने जलाया विकास का दीप: प्रधानमंत्री

- कभी नक्सलग्रस्त रहे इलाके में चल रही 'मत्स्य क्रांति' की हुई तारीफ
- कभी बंदूक उठानेवाले ओमप्रकाश साहू आज कर रहे मछली पालन
- प्रखंड के डेढ़ सौ से अधिक परिवार अब इस व्यवसाय से जुड़ चुके हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 124वें संस्करण में गुमला के बसिया निवासी ओमप्रकाश साहू की 'मत्स्य क्रांति' की खूब तारीफ की। ओमप्रकाश साहू ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के जरिये गांव से पलायन रोकने में अहम भूमिका निभायी है। गुमला जिले से 70 किलोमीटर दूर बसिया प्रखंड क्षेत्र के कुम्हारी निवासी ओमप्रकाश साहू की कहानी प्रधानमंत्री मोदी ने सुनायी।

क्या कहा प्रधानमंत्री ने : पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी सबसे बड़ा उजाला वहीं से फूटता है, जहां अंधेरे ने सबसे ज्यादा डेरा जमाया हो। ऐसा ही एक उदाहरण है झारखंड के गुमला जिले का। एक समय था, जब यह इलाका माओवादी हिंसा के लिए जाना जाता था। बासिया प्रखंड के गांव वीरान हो रहे थे। लोग डर के साये में जीते थे। रोजगार की कोई संभावना नजर नहीं आती थी। जमीन खाली पड़ी थी और नौजवान पलायन कर रहे थे, लेकिन फिर बदलाव की एक बहुत ही शांत और धैर्य से भरी हुई शुरुआत हुई। ओमप्रकाश साहू नाम के एक युवक ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। उन्होंने मछली पालन शुरू किया। फिर अपने जैसे कई साथियों को भी इसके लिए प्रेरित किया। उनके इस प्रयास का असर भी हुआ। जो पहले बंदूक थामे हुए थे, अब मछली पकड़ने वाला जाल थाम चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ओमप्रकाश साहू की शुरुआत आसान नहीं थी। विरोध हुआ, धमकियां मिलीं, लेकिन हौसला नहीं टूटा। जब 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' आयी, तो उन्हें नयी ताकत मिली। सरकार से सहायता मिली, तालाब बनाने में मदद मिली और देखते-देखते गुमला में 'मत्स्य क्रांति' का सूत्रपात हो गया। आज बासिया प्रखंड के 150 से ज्यादा परिवार मछली पालन से जुड़ चुके हैं। कई तो ऐसे लोग हैं, जो कभी नक्सली संगठन में थे, अब वे गांव में ही सम्मान से जीवन जी रहे हैं और दूसरों को रोजगार दे रहे हैं। गुमला की यह यात्रा हमें सिखाती है कि अगर रास्ता सही हो और मन में भरोसा हो, तो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी विकास का दीप जल सकता है।

शुभांशु शुक्ला की भी बात की

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला और अंतरिक्ष के बारे में बात की। उन्होंने कहा, जैसे ही अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग उछल पड़े। हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गयी। पूरा देश गर्व से भर गया। पीएम ने कहा कि इससे विज्ञान-अंतरिक्ष को लेकर बच्चों में नयी जिज्ञासा जगी है। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जायेंगे। चांद पर उतरेंगे। अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनेंगे। जब अगस्त 2023 चंद्रयान की सफल लैंडिंग हुई थी, तब देश में एक नया माहौल बना था।

ऑपरेशन सिंदूर से साबित हुआ कि आतंकियों और भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

चेन्नई (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। उन्होंने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं है। यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। पीएम ने कहा कि सम्राट राजराज चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु में उनकी भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जायेंगी और ये प्रतिमाएं हमारे ऐतिहासिक जागरण के आधुनिक स्तंभ होंगी।

काशी का सांसद हूं, ॐ नमः शिवाय सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक प्रकार से ये राज राजा की श्रद्धा भूमि है और आज इलैयाराजा ने जिस प्रकार हम सभी को शिवभक्ति में डुबो दिया, क्या अद्भुत वातावरण था। मैं काशी का सांसद हूं, जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

चाइबासा में नक्सलियों के 35 लाख बरामद

हथियार खरीदने के लिए जमा किये गये थे रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाइबासा में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को करारा झटका दिया है। रविवार को कराइकेला के जंगली क्षेत्र में चलाये गये सर्च अभियान के दौरान, नक्सलियों द्वारा हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए छुपाये गये लगभग 35 लाख रुपये बरामद किये गये। यह ऑपरेशन झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर, और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

खुफिया सूचना पर कार्रवाई : सुरक्षा बलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि लगातार पराजित हो रहे नक्सली हथियार और विस्फोटक सामग्री खरीदने के लिए धन जमा कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर सारंडा के घने जंगलों में सटीक सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छुपायी गयी 35 लाख रुपये की राशि बरामद की गयी। रांची रेंज के आइजी मनोज कौशिक ने बताया कि यह राशि नक्सलियों ने अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए डंप की थी। इस बरामदगी ने नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

अब केवल कोल्हान इलाके में बचे हैं नक्सली: बता दें कि सुरक्षा बलों द्वारा चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के कारण कभी झारखंड के 22 जिलों में पैर फैला चुके माओवादी नक्सली अब केवल कोल्हान इलाके में सिमट कर रह गये हैं। गिरिडीह, चतरा, हजारीबाग, लातेहार और पलामू जैसे इलाकों से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया हो चुका है। इसलिए अब सुरक्षा बल कोल्हान के इलाके में सघन अभियान चला रहे हैं और इतनी बड़ी रकम की बरामदगी उसकी कामयाबी है।

नक्सलवाद के खिलाफ सतत मुहिम

आइजी ने बताया कि यह कार्रवाई झारखंड पुलिस की नक्सलवाद के खिलाफ चल रही व्यापक मुहिम का हिस्सा है। चाइबासा, जो लंबे समय से नक्सलियों का गढ़ रहा है, को मार्च 2025 तक नक्सल-मुक्त करने का लक्ष्य डीजीपी अनुराग गुप्ता ने निर्धारित किया है। इस बरामदगी से नक्सलियों की आर्थिक शक्ति को कमजोर करने में मदद मिलेगी। सुरक्षा बल क्षेत्र में सर्च अभियान जारी रखे हुए हैं, ताकि नक्सलियों के अन्य ठिकानों और संसाधनों का पता लगाया जा सके। यह सफलता झारखंड में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कसाब की सुनवाई पर विपक्ष ने फैलाया झूठ: उज्ज्वल निकम

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। राज्यसभा सदस्य और 26/11 मुंबई हमले के विशेष सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं ने 26/11 केस की सुनवाई को लेकर झूठे और आधारहीन दावे किये हैं, जबकि पाकिस्तान ने भी कभी इस पर सवाल नहीं उठाया। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में अपने सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं ने कहा कि अजमल कसाब को मुकदमे में

सही मौका नहीं दिया गया। लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान ने भी कभी नहीं कहा कि कसाब को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। निकम ने बताया कि कुछ नेताओं ने तो यहां तक कह दिया कि 26/11 हमले में शहीद हुए पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे, विजय सालसकर और अशोक कामटे को आरएसएस से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने मारा। उन्होंने कहा कि एक बड़े कांग्रेस नेता ने मुझ पर आरोप लगाया कि मैं इस साजिश की जानकारी होते हुए भी चुप रहा और मुझे देशद्रोही तक कहा गया। अपने अनुभव साझा करते हुए निकम ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि जेल में सभी कैदी मेरी कुंडली जानते हैं। अगर जेल एक चुनाव क्षेत्र होता, तो मैं वहां से जरूर चुनाव जीत जाता। गौरतलब है कि उज्ज्वल निकम को हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया है।

अमेरिका में बोइंग विमान में आग, बाल-बाल बचे 173 यात्री

डेनवर। अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया है। अमेरिकन एयरलाइंस के बोइंग 737 मैक्स 8 विमान का लैंडिंग गियर फेल होने के कारण टेकऑफ रोकना पड़ा। इस दौरान विमान के पिछले हिस्से में आग लग गयी। यह फ्लाइट मियामी जा रही थी। घटना अमेरिकी समयानुसार दोपहर 2:45 बजे (भारतीय समयानुसार रात 2.15 बजे) हुई। विमान में कुल 173 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। सभी को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिये बाहर निकाला गया। हादसे में छह लोगों को मामूली चोटें आयीं, जिनमें से एक को अस्पताल भेजा गया है।

गिरिडीह में फंदे से झूलता मिला व्यवसायी का शव

चार पेज का सुसाइड नोट बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। शहर के आइएमएस रोड, कृष्णा अपार्टमेंट निवासी व्यवसायी सुदीप कपिसवे का शव उनके ही कमरे में फंदे से झूलता मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैल गयी है। घटना की सूचना मिलने के बाद जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं नगर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गयी है।

घटना के संबंध में बताया गया कि सुदीप तीन-चार दिन पहले ही अपने परिवार को छोड़कर कोलकाता से गिरिडीह आये थे। हालांकि गिरिडीह आने के बाद उन्होंने किसी को यह नहीं बताया कि वह गिरिडीह में हैं, इसलिए किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। सुदीप का साला उनके अपार्टमेंट के पीछे ही रहता है। रविवार सुबह जब सुदीप का एक मैसेज उनके परिवार के सदस्य के पास पहुंचा, तो सबके होश उड़ गये। परिजन दौड़ते-भागते सुदीप के कमरे में पहुंचे, जहां उनका शव फंदे से झूलता पाया गया। घटना के बाद मृतक सुदीप की पत्नी और बच्चे कोलकाता से गिरिडीह पहुंच गये हैं।

सुदीप ने आत्महत्या करने से पहले एक चार पेज का सुसाइड नोट भी लिखा है। पुलिस और परिजन जब सुदीप के कमरे में पहुंचे, तो उनके बेड पर वह सुसाइड नोट रखा हुआ था। जानकारी के अनुसार सुदीप का गिरिडीह के सिरसिया-सिहोडीह स्थित कबीर ज्ञान मंदिर से गहरा लगाव था। इसलिए उन्होंने जो सुसाइड नोट लिखा है, उसमें 'कबीर ज्ञान मंदिर के साहेब जी... साहेब बंदगी' का जिक्र करते हुए रहस्यमयी बातें लिखी हैं। इसके अलावा सुसाइड नोट में कई गंभीर बातें लिखी हैं, जो काफी चौंकाने वाली हैं। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुट गयी है।

न्यूज रील्स

आत्मनिर्भरता और समाज सेवा का जरिया हो शिक्षा: भागवत

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय शिक्षा की विशेषताओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली सिर्फ ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में दूसरों के लिए जीने और त्याग करने की भावना भी सिखाती है। केरल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो इंसान को कहीं भी अपने दम पर जीने की क्षमता दे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसी होनी चाहिए कि व्यक्ति अपने आत्मबल और कौशल के आधार पर जीवन यापन कर सके। उन्होंने आगे कहा कि पारंपरिक भारतीय शिक्षा पद्धति जीवन मूल्यों, नैतिकता और समाज सेवा को प्राथमिकता देती है। शिक्षा का मकसद केवल पैसे कमाना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाना होना चाहिए।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में बड़ा खुलासा : बिहार के 35 लाख मतदाता लापता

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में बड़ा खुलासा हुआ है। पुनरीक्षण के पहले चरण के आंकड़ों में सामने आया है कि राज्य के लगभग 35 लाख मतदाता लापता हैं। इसके बाद मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। वहीं देशभर में होने वाले एसआइआर को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसमें पहले चरण के आंकड़ों में सामने आया है कि लगभग 35 लाख मतदाता या तो लापता हैं या अपने पंजीकृत पते से स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं। इसे लेकर राजनीतिक दल मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पुनरीक्षण के बाद इन 35 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिये जायेंगे। मतदाताओं के इतने महत्वपूर्ण हिस्से का पता लगाने में असमर्थता ने मतदाता पंजीकरण रखरखाव में संभावित प्रणालीगत मुद्दों को उजागर किया है।

सात लाख मतदाताओं का दो जगह मिला पंजीकरण : चुनाव आयोग का कहना है कि बिहार के सात लाख मतदाता कई स्थानों पर पंजीकृत पाये गये हैं। वहीं 36 लाख लोग या तो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गये हैं या फिर उनका पता ही नहीं चला। अब तक 7.24 करोड़ या 91.69 प्रतिशत मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हुए।

चुनाव आयोग ने बीते 24 जून को कहा था कि संवैधानिक कर्तव्य के तहत और मतदाता सूची की अखंडता और सुरक्षा के लिए मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम किया जायेगा। अब चुनाव आयोग ने उसकी शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखना निष्पक्ष और मुक्त चुनाव के लिए आधारभूत जरूरत है। जनप्रतिनिधि कानून, 1950 और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टोरल रूल्स, 1960 के तहत योग्यता, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गयी है।

चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाये, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गयी है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कानून और संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सके, ताकि लोगों को मताधिकार मिल सके।

नागरिकता असली मुद्दा, चुनाव बहिष्कार का अभी नहीं लिया गया फैसला : विपक्ष

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नागरिकता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। आपने इसे राजनीतिक रंग दे दिया और इसे छिपाने की कोशिश की, जबकि असली मुद्दा नागरिकता का ही है। बिहार में चुनाव बहिष्कार को लेकर विपक्षी गठबंधन ने अभी कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन सभी विकल्प खुले हैं। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने कार्यभार संभाला था, तब उन्होंने कहा था कि वह कोई भी फैसला राजनीतिक दलों से सलाह के बिना नहीं लेंगे। मुझे लगता है कि पिछले 22 वर्षों में एसआइआर से बड़ा कोई फैसला नहीं हुआ। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल से कोई राय नहीं ली गयी।

छह साल बाद उद्धव के घर पहुंचे राज ठाकरे

जन्मदिन की बधाई दी, 22 दिन पहले दोनों एक मंच पर थे

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सुप्रीमो राज ठाकरे रविवार को छह साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। इस दौरान राज ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले आखिरी बार छह साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गये थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। वहीं औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गये थे। उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे। पिछले पांच जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आये थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिये गये थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी मनसे बनायी थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

नामकुम ग्रिड डकैती कांड में नौ अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन (संचरण केन्द्रीय भंडार) के कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों को बंधक बना कर डकैती डालनेवाले नौ अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को 11 अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया था।

बंधक बना कर दिया गया था डकैती को अंजाम : डीआइजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा बनायी गयी एसआईटी ने नामकुम ग्रिड में हुए डकैती कांड का खुलासा कर लिया है। कांड में शामिल 11 में से नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन कुमार भुईया उर्फ बौना, जितू कुमार सिंह उर्फ जिजुवा उर्फ जीतू, फुरकान मल्लिक उर्फ फुरकान, बिरेंद्र बेदिया उर्फ घोंची, दीपक कुमार सोनी, जितेंद्र कुमार शामिल है।

गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही पर कांड में प्रयोग किये गये ऑटो वाहन संख्या-जेएच01-एफआस-7047, ताला काटने में प्रयोग की जानेवाली कटर मशीन, मोबाइल एवं घटना में लूटा हुआ सामान को बरामद किया गया है।

दिनेश लोहरा निकला मास्टर माउंड : डीआइजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि डकैती गिरोह का मुखिया दिनेश लोहरा है। दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली लातेहार का रहने वाला है। वर्तमान दिनेश डोरंडा के बड़ा घाघरा में रह रहा था। दिनेश ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने 10 साथियों के साथ मिल कर इस घटना को अंजाम दिया था।

डकैती किये हुए सामान को पुनदाग में कबाड़ी दुकान फुरकान मल्लिक और अरगोडा के कबाड़ी दीपक कुमार सोनी को बेच दिया था।

दिनेश लोहरा के अनुसार कुल 253 किलो 750 रुपये के हिसाब से प्रति किलोग्राम की दर से बेचा गया था, जिसमें उसे 1,73,000 रुपये मिला। जिसे हम सभी लोग आपस में बांट लिया।

वहीं, कबाड़ी दीपक सोनी ने चोरी का समान पटना में बेच दिया और उसके एवज में चार लाख रुपये अपने अकाउंट में मंगवा लिया। पकड़े गये सभी अभियुक्तों के द्वारा इस घटना में अपना-अपना अपराध को स्वीकार किया गया है। डकैती की घटना में संलिप्त अपराधी एवं अन्य की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है।

स्कॉर्पियो में बैठ डकैती की प्लानिंग कर रहे थे, तीन चढ़े पुलिस के हत्थे

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी पावर ग्रिड में डकैती की योजना बना रहे एक गिरोह को रांची पुलिस ने वक्त रहते गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ओरमांझी थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को एक बिना नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी, हथियार और अन्य सामान के साथ धर दबोचा। डीआइजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को 26 जुलाई की सुबह करीब 10:30 बजे सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी बिना नंबर प्लेट वाली स्कॉर्पियो से पावर ग्रिड की रेकी कर रहे हैं और वहां कॉपर वायर की डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व

और सिल्ली डीएसपी अनुज उरांव की देखरेख में एसआइटी का गठन किया गया। गठित टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए ओरमांझी थाना क्षेत्र के चेतनबाड़ी गांव के पास भारतमाला प्रोजेक्ट रोड पर छापा मारा। मौके से जयप्रकाश पासवान, दिनेश चौधरी और भोला चौधरी नामक तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो, चार मोबाइल फोन, तार काटने का कटर, प्लास और खाने-पीने का सामान बरामद किया है। पूछताछ में इन अपराधियों ने रांची के अलावा अन्य जिलों में भी डकैती की घटनाओं में शामिल होने की बात कबूल की है। पुलिस अन्य सहयोगियों और इनके आपराधिक नेटवर्क की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

भारतीय दर्शन और भाषा साहित्य को आत्मसात करने की जरूरत : सीपी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती, झारखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पुराना विधानसभा सभागार में भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन समाज विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति कोई बीता हुआ अध्याय नहीं, बल्कि एक जीवंत विरासत है, जिसे नयी पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को भारतीय दर्शन और भाषा साहित्य को आत्मसात करने करने की जरूरत है।

मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ऑनलाइन वीडियो कॉल के माध्यम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक हम अपनी संस्कृति और मूल्यों को नहीं अपनायेंगे, तब तक भारत को विश्वगुरु बनाना कठिन है। उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री रविंद्र शुक्ल ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में संपूर्ण विश्व को दिशा देने की क्षमता है और इसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित किया जाना चाहिए।

गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने इस विचार का उत्सव बताया और कहा कि यह संस्कृति की पुनर्स्थापना की दिशा में सार्थक प्रयास है। केंद्रीय हिंदी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ रंजन कुमार दास ने भारतीयता को एक समसामयिक जीवनशैली बताते हुए शिक्षा, संस्कृति और भाषा के समन्वय पर बल दिया। केंद्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल ने कहा कि यह समय साहित्य और सांस्कृतिक मूल्यों को संगठित रूप से प्रस्तुत करने का है।

संगोष्ठी के संयोजक अजय राय ने आयोजन के उद्देश्य और पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच भारतीय संस्कृति और झारखंड की परंपराओं के समन्वय का प्रयास है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण सज्जन ने स्वागत भाषण में बिरसा मुंडा की धरती को याद करते हुए वैदिक परंपरा को पुनर्स्थापित करने का संकल्प दोहराया।

झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों द्वारा 35 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति-चिह्न दिये गये। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता सोच-विचार पत्रिका के संपादक डॉ नरेंद्र मिश्र ने की और उन्होंने आयोजन की गंभीरता और सफलता की सराहना की।

समारोह में मुख्य रूप से बलराम पाठक, राकेश कुमार, संगीता नाथ, आशा गुप्ता, रेणु बाला मिश्रा, स्नेह लता, अनुज कुमार पाठक, संजय सराफ, संजीव दत्ता, दीपेश निराला, अनिकेत सिंह, अभय पांडेय, मनीष मिश्र, पूजा रत्नाकर, रमेश साहू, त्रिपुरेश्वर मिश्र, ब्रजेंद्र मिश्र, डॉ रामप्रवेश पंडित सहित देशभर से साहित्य, संस्कृति और शिक्षा क्षेत्र के लगभग 150 विद्वानों, साहित्यकारों और शोधार्थी मौजूद थे।

जेएलकेएम प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात की। झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने संबंधित छह सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल को सौंपे गये ज्ञापन में कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद पद पर जमे निबंधक प्रशांत कुमार पांडे की जांच के लिए एसआइटी गठित करने, फार्मेसी काउंसिल में सिर्फ मूल झारखंडी फार्मासिस्टों को मनोनीत किये जाने, निर्वाचन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराने और फर्जी तरीके से मान्यता प्राप्त कॉलेजों की जांच किये जाने सहित अन्य छह सूत्री मांगें शमिल हैं।

देवेंद्रनाथ ने बताया कि जेएलकेएम प्रतिनिधिमंडलों की बातें गंभीरता से सुनने के बाद राज्यपाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। महतो ने बताया कि ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, एंटी करप्शन ब्यूरो और सेंट्रल विजिलेंस कमिशन को भी भेजी गयी है। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान मौजूद प्रतिनिधिमंडल में रविंद्र नाथ महतो, लक्की रामू राज, गुलाम सरवर, विनय कुमार, आशीष चौधरी और पंकज कुमार सहित अन्य लोगों के नाम शामिल थे।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

भजन-कीर्तन में भक्तजन खूब झूमे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में रविवार को 220वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद लोहरदगा निवासी धर्मेंद्र प्रसाद एवं उनके परिवार के सौजन्य से 101 किलो दूध का केसरिया खीर का महाप्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगायी गयी। तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद में केसरिया खीर, आलू चिप्स का पैकेट का वितरण किया गया। तत्पश्चात 2 घंटे तक भजन-कीर्तन कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। श्री राधा कृष्ण के जयकारा एवं भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भक्तगण भक्ति रस में डूब गये। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गयी।

इस अवसर पर-डुंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, विजय कुमार अग्रवाल, सज्जन पाडिया, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, नंद किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, बिष्णु सोनी, मधु जाजोदिया, पवन पोद्दार, नवल टिबडेवाल, चंद्रदीप साहु, हरीश कुमार, धीरज गुप्ता, परमेश्वर साहु, बसंत वर्मा, महेश वर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया

लॉजिस्टिक्स जितना मजबूत, सीमाएं उतनी ही सुरक्षित हैं : राजनाथ सिंह

पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व संरचनात्मक परिवर्तन : अश्विनी वैष्णव

गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 194 छात्रों को डिग्री दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। गति शक्ति विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह रविवार को वडोदरा में आयोजित किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है, जो देश के आर्थिक विकास की मजबूत नींव रख रहा है। उन्होंने

युवाओं से आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। लॉजिस्टिक्स के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि जितनी मजबूत हमारी लॉजिस्टिक्स सेवाएं होंगी, उतनी ही मजबूत हमारी सीमाएं रहेंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री एवं गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अश्विनी वैष्णव ने गति शक्ति विश्वविद्यालय को विकास का इंजन बताया और छात्रों से आग्रह किया कि वे 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में अपनी भूमिका निभायें।

दीक्षांत समारोह में कुल 194 छात्रों को विभिन्न विषयों में डिग्रियां प्रदान की गयीं। प्रत्येक पाठ्यक्रम से एक छात्र को शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट परियोजना पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार भी प्रदान किये गये। गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) मनोज चौधरी ने स्वागत भाषण दिया और पिछले तीन वर्षों में संस्थान के प्रदर्शन की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में वडोदरा के सांसद डॉ हेमांग जोशी, राजमाता शुभांगीनी राजे गायकवाड़, भारतीय सेना और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण खबरें

पीएम मोदी के मन की बात सुनी और पौधरोपण किया

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश के संगठन महामंत्री करणवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक बांका, कार्यालय सह मंत्री सूरज चौरसिया, रुपेश, मनीष, नीरज पासवान, रांची महानगर के उपाध्यक्ष राजू सिंह, दक्षिणी मंडल के अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा, सुनील साहू, रोहित राज पांडे, आनंद तिवारी, राजा सिंह, रामपाल जैन, विकास वर्मा, प्रदीप नाथ तिवारी, अशोक पांडे, आशीष शर्मा, राजेश कुमार, शिवेंदु, राजेश प्रजापति, फिरंगी साहू, अरविंद, सतीश मिश्रा, रानी मिश्रा, सोनू कुमार, छोटू मिश्रा, कृष्ण, आनंद प्रकाश, मधुकर, रूपाली मुखर्जी के साथ मन की बात दक्षिणी मंडल में सुनी। इसके बाद पौधरोपण का कार्य संगठन महामंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा किया गया।

नागपुरी लोक गायक आजाद अंसारी की मदद की

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के कलाकार नागपुरी लोक गायक आजाद अंसारी लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। झारखंड के वरिष्ठ कलाकार पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में चितरकोटा बड़काटोली आजाद अंसारी के धघर पहुंचे। उनके स्वास्थ का हाल जाना और उनके इलाज हेतु 50 हजार रुपये आर्थिक सहायता दी। बंधु तिर्की ने आश्वासन दिया कि उनके इलाज में जो भी खर्च होगा, उसे पूरा करूंगा। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता निरंजन पासवान के अलावा पवन रॉय, मोनू राज, पंकज रॉय, बुबाई रॉय, विजय प्रभाकर, कवि किशन, राजू केरकेट्टा, रूपेश बड़ाइक, पंकज उरांव, बादल अंसारी और रामजीत महतो आदि मौजूद थे।

जेपीएससी में सफलता पर नेहा-तेजस्वी को दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। जायसवाल बिजनेस एसोसिएशन एवं अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा ने अपने समाज का नाम रौशन करने वाले गढ़वा के तेजस्वी जायसवाल एवं रांची जिले के बुण्डू से नेहा जायसवाल की सफलता पर बधाई दी। तेजस्वी एवं नेहा ने झारखण्ड पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में नेहा जायसवाल ने 197 वां रैंक एवं तेजस्वी जायसवाल ने 23 वां रैंक लाकर समाज एवं राज्य का नाम रौशन किया है। जायसवाल बिजनेस एसोसिएशन एवं अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा ने नेहा एवं तेजस्वी की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की इनकी सफलता से समाज के सभी बच्चों को प्रेरणा मिलेगी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी नरेश जायसवाल एवं झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार जायसवाल, और जायसवाल बिजनेस एसोसिएशन के प्रभात रंजन, पारस जायसवाल,सत्यपाल गुप्ता, गोपाल भगत, संतोष जायसवाल, शैलेन्द्र जायसवाल, अमिश जायसवाल, बलिराम जायसवाल, रितेश जायसवाल, रमाशंकर प्रसाद, रमन गुप्ता समेत समाज के सभी लोगों ने इनके सफलता पर बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 को लेकर बैठक का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ करमा उरांव की स्मृति में इंटर आदिवासी छात्रावास फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 को लेकर रांची के विभिन्न आदिवासी हॉस्टल के छात्र-छात्राओं ने रविवार को पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में बैठक की। इस मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए खेल का अहम रोल है। फुटबॉल एक ऐसा खेल है, जो मन मस्तिक और पूरे शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करता है। बैठक में कार्तिक उरांव आदिवासी छात्रावास के जॉन मिंज, दिनेश भगत, बिरला छात्रावास के के नितेश उरांव, सेंट जेवियर कॉलेज रांची दिवस टेटे भागीरथी आदिवासी बालिका छात्रावास के अंजलि लकड़ा, देवंती कुमारी, सरना आदिवासी बालिका छात्रावास प्रभा कुमारी, जया लकड़ा, सरस्वती हरिजन बालिका छात्रावास कि संगीता कुमारी नीतिका मिंज, आदिवासी बॉयज छात्रावास हातमा के निखिल टुडू सुमित मुंडा शामिल थे। बैठक मे रितेश कुमार राजा ने अहम भूमिका निभायी।

जम्मू-कश्मीर में रेल पटरियों और डिब्बों का हो रहा उन्नयन

ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए कार्य स्थितियों में हुआ सुधार : अश्विनी वैष्णव

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम ट्रैक प्रौद्योगिकी और रखरखाव प्रथाओं को उन्नत करके ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। आधुनिक ट्रैक फिटिंग, ट्रैक मशीनों का उपयोग, अल्ट्रा साउंड फ्रैक्चर डिटेक्शन मशीन, सड़क सह रेल वाहन और एकीकृत ट्रैक माप मशीनें हमारे ट्रैक रखरखाव को वैज्ञानिक बना देंगी। एआइ का उपयोग दोषों का पता लगाने में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इन तकनीकी परिवर्तनों से ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए काम करने की स्थिति में काफी सुधार होगा।

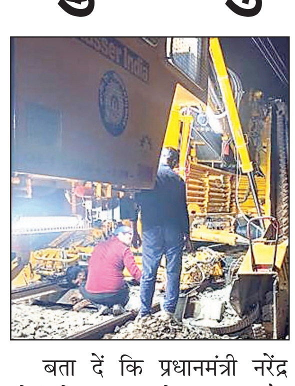

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून को चिनाब और अंजी पुलों के साथ उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का उद्घाटन किया था। यह कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच संपर्क स्थापित करने में एक ऐतिहासिक औ प्रमुख उपलब्धि है। कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गई है।

रेल लाइन का रखरखाव : नयी रेलगाड़ी सेवाओं के अलावा, इस लाइन के शुरू होने से कश्मीर घाटी में रेल पटरियों के रख-रखाव की क्षमता में बुनियादी बदलाव आया है। रेलवे लिंक ने कश्मीर घाटी में रेल लाइन के रखरखाव वाली मशीनों की आवाजाही को सक्षम बनाया है। पहले रेल लाइनों का मानवीय रखरखाव के विपरीत, अब रखरखाव आधुनिक मशीनों से किया जा रहा है। इससे रेल लाइन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

पूरे देश में रेलवे लाइन का उन्नयन : देश भर में रेलवे पटरियों को उन्नत किया जा रहा है। बेहतर ट्रैक सुरक्षा से यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वर्ष 2025 की शुरुआत तक, भारत के 78 प्रतिशत ट्रैक 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की गति तक अपग्रेड हो चुके होंगे। वर्ष 2014 में यह संख्या सिर्फ 39 प्रतिशत थी। पिछले दशक में पटरियों की कुल लंबाई में वृद्धि के आलोक में इस उच्च अनुपात को देखा जाना चाहिए। वर्ष 2014 में पटरियों की कुल लंबाई 79,342 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
No. 1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आफताब की लाश मिली, सड़क पर उतरे लोग, हिंदू टाइगर फोर्स के नेता गिरफ्तार

आक्रोशित लोगों ने की सड़क जाम, पुलिस ने चटकायी लाठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ थाना से फरार आफताब अंसारी की लाश शनिवार की देर रात रजरप्पा थाना क्षेत्र से बरामद हुई। इस मामले में रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने त्वरित कार्रवाई करायी और हिंदू टाइगर फोर्स के नेता राजेश सिन्हा को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले की जांच कर रहे पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने आफताब के परिजनों को बताया कि रजरप्पा थाना क्षेत्र के लोदरू बेड़ा गांव के समीप दामोदर नदी के किनारे आफताब की लाश फंसी है। 24 जुलाई की दोपहर जब वह थाने से फरार हुआ होगा, तो शायद दामोदर नदी पार करने की कोशिश की होगी। इसी दौरान वह नदी में बह गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने आंदोलन कर रहे लोगों को रजरप्पा जाने को कहा, ताकि शव को बाहर निकाला जा सके।

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े : रामगढ़ थाना से देर रात निकलने के दौरान मौजूद भीड़ अचानक अनियंत्रित हो गयी। वे लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थाना चौक पर लोगों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिये। वहां टायर जला कर सड़क जाम कर दिया। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने भी डंडे चटकाये और उपद्रवियों को खदेड़ा। इस दौरान एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सार्जेंट मेजर मंटू यादव सहित कई जवान वहां मुस्तैद रहे।

हिंदू टाइगर फोर्स पर दो प्राथमिकी दर्ज, राजेश सिन्हा गिरफ्तार : एसपी : एसपी अजय कुमार ने रविवार को बताया कि इस पूरी घटना को शांत करने की कोशिश की जा रही है। हिंदू टाइगर फोर्स संगठन के नेताओं पर दो प्राथमिकी दर्ज हुई है। पहली प्राथमिकी आफताब अंसारी की पत्नी सालेहा खातून के बयान पर दर्ज हुई है। सालेहा ने बताया है कि उसका पति रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार स्थित आर्सी गारमेंट में काम करता था। 23 जुलाई को उसके पति के विरुद्ध रामगढ़ थाने में यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ था। उसी दिन लगभग तीन बजे एक आइ-10 कार से कुछ लोग दुकान में पहुंचे और घुसकर उसके पति के साथ मारपीट की। उसे घसीटते हुए दुकान से बाहर निकाला गया और कई लोगों ने आफताब को बेदर्दी से पीटा। इसके बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और उसके पति को थाने ले गयी। 24 जुलाई को 11 बजे तक उसका पति रामगढ़ थाने परिसर में ही उपस्थित था। जिसका गवाह भुरकुंडा निवासी अरुण गोयल है।

अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज करायी प्राथमिकी: दूसरी प्राथमिकी अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज करायी है। भदानीनगर ओपी की लपंगा कॉलोनी की रहने वाली नेहा सिंह ने बताया है कि अफताब अंसारी को हिंदू टाइगर फोर्स के लोगों ने दुकान से निकाल कर बुरी तरह पीटा। उस पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाकर जान मारने के नियत से पेट, सीना और गर्दन पर मुक्का और लात से मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान आफताब अंसारी जमीन पर गिर गया, तब भी वे लोग बुरी तरह मारते-पिटते घसीटकर बाहर रोड पर ले गये। जब हमलोग बचाने का प्रयास किये तो वे लोग हमारे साथ भी बतमीजी और छेड़छाड़ किये। इसी तरह आफताब हो दोबारा भीड़ से छुड़ाया गया। इस दौरान हिंदू टाइगर फोर्स के लोग धर्म विशेष को गाली भी दे रहे थे।

नेहा सिंह ने प्राथमिकी में कहा है कि मारपीट की घटना के संबंध में शहर के न्यू शांति सिनेमा हाल के पीछे बसंत विहार कॉलोनी निवास से दीपक सिसोदिया के द्वारा सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया था।

रिम्स में होगा आफताब अंसारी का पोस्टमार्टम : रामगढ़ थाना परिसर से फरार होने के 48 घंटे के बाद आफताब अंसारी की लाश दामोदर नदी से मिली। लाश का पोस्टमार्टम करने के लिए पुलिस रविवार को सदर अस्पताल पहुंची। यहां मेडिकल टीम बनाई गई थी और दंडाधिकारी की नियुक्ति भी हुई थी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम करने के लिए पहुंची मेडिकल टीम ने देखा कि आफताब अंसारी की लाश काफी बुरी अवस्था में है। रामगढ़ सदर अस्पताल में जितनी व्यवस्था है उस आधार पर उसका पोस्टमार्टम हो पाना संभव नहीं है। मेडिकल टीम ने पोस्टमार्टम के लिए आफताब अंसारी की लाश को रिम्स रेफर कर दिया है।

पुख्ते सबूत के आधार पर रामगढ़ पुलिस कर रही कार्रवाई : एसपी

रामगढ़। जिले में दो दिनों से माहौल काफी अशांत होता दिखायी दिया है। एक तरफ थाने से फरार युवक आफताब अंसारी की दामोदर नदी में लाश मिली। दूसरी तरफ एक हिंदू नेता राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी हुई। सारा मामला एक आदिवासी महिला के यौन शोषण से शुरू हुआ और बेहद गंभीर होता चला गया। एक तरफ कांग्रेसी नेताओं ने थाने का घेराव कर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये। दूसरी तरफ भाजपा नेता ने भी पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल खड़े किये। इन सब के बीच रविवार की शाम रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने भी पूरी कार्रवाई से मीडिया को अवगत कराया। रामगढ़ थाने में जांच करने पहुंचे एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि अभी तक जो भी कार्रवाई हुई है, वह पुख्ता सबूत के आधार पर किया गया है। किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अनावश्यक कार्रवाई नहीं की गयी है। एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर विद्वेष फैलाने वालों पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि पुलिस को ऐसे कई वीडियो और फोटो मिले हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पहले भी रामगढ़ जिले के युवाओं से अपील की गई है कि सोशल मीडिया का उपयोग विवेक के आधार पर करें। गलत तरीके से सोशल मीडिया का उपयोग समाज में विद्वेष पैदा करता है और वह गहरी खाई बन जाती है। अभी भी सोशल मीडिया पर अनावश्यक पोस्ट हो रहे हैं। पुलिस की उन सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर निगाह है। सभी की सूची तैयार की जा रही है। रामगढ़ शहर में अगर सामाजिक ताना-बाना बिखरता है, तो उन सभी लोगों पर कार्रवाई होगी।

महत्वपूर्ण खबरें

सावन की अंतिम सोमवारी को मां काली सेना का होगा भव्य जागरण

रांची (आजाद सिपाही)। सावन के पवित्र माह के अंतिम सोमवारी को राजधानी रांची भक्ति, श्रद्धा और संगीत के रंग में रंगने वाली है। मां काली सेना रांची महानगर के तत्वावधान में तीन अगस्त की रात अल्बर्ट एक्का चौक पर एक भव्य जागरण का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मां काली की महिमा का गुणगान किया जायेगा। इस जागरण का आयोजन स्काई इवेंट्स के प्रसिद्ध आयोजक राकेश सोनी के निर्देशन में किया जा रहा है। मां काली सेना के प्रवक्ता नमन भारतीय ने जानकारी दी है कि इस बार जागरण में विशेष प्रस्तुति देने के लिए हजारीबाग की चर्चित गायिका मोना सिंह और पटना के लोकप्रिय कलाकार अजय स्टार ग्रुप के सदस्य मंच पर अपने भक्ति गीतों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर देंगे। सेना प्रमुख भोलू सिंह, मुख्य संरक्षक जीतेंद्र सिंह के द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन संध्या सात बजे किया जायेगा। यह जागरण केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव होगा। इसमें श्रद्धा, संगीत, और सामाजिक समरसता का सुंदर संगम देखने को मिलेगा।

माहुरी महिला समिति ने सावन मिलन समारोह सह मेला का किया आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। माहुरी महिला समिति के द्वारा रविवार को सावन मिलन समारोह सह सावन मेला का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माहुरी महिला समिति के इस सावन मिलन समारोह में पहली बार कपल ऑफ दी सावन को भी इनाम दिया गया। सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखकर इंस्पायरिंग लेडीज ऑफ रांची कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सावन मेले का आयोजन माहुरी समाज में पहली बार किया गया। इसमें लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस कार्यक्रम में डांस, सिंगिंग, एक्टिंग, वायरल रिल कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वंदना गुप्ता, श्वेता भदानी, कविता कुटरीयार, रूनी, श्रुति लोहानी, अलका कोटारिया, राखी, निभा, सोनी, सुमन भदानी, राखी एकघरा, रूनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कई लोगों ने थामा जेएमएम का दामन

रांची (आजाद सिपाही)। जेएमएम के रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में हरमू स्थित कैंप कार्यालय में रविवार को रांची जिला अंतर्गत रातू मंडल के सैकड़ों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि मोर्चा केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने सभी को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलायी। उन्होंने कहा कि झामुमो के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के मार्गदर्शन और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व से आमजन प्रभावित हैं। श्री पांडेय ने झामुमो को मजबूत कर राज्य के विकास में योगदान देने का संकल्प दिलाया। मौके पर मुस्ताक आलम ने कहा कि रातू के लोगों ने जिस तरह प्यार भाव दिखाकर मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की उससे झामुमो और भी मजबूत होगा। सदस्यता लेनेवालों में मुख्य रूप से भाजपा के रातू मंडल के पूर्व मंत्री अविनाश लकड़ा, अमित सिंह, पंकज साहू, अभिषेक कुमार, प्रकाश उरांव, वार्ड सदस्य कमड़े रातू ममता कुमारी, अनीता देवी, शोभा कुमारी, रेखा देवी, मंगरा उरांव, तिग्गा, महेंद्र सिंह, अमर सिंह, कुंदन सिंह, सुक्खू उरांव, अशोक गुप्ता, अजय मिर्धा, बबलू लोहरा, अलबेला लकड़ा, अनुभव यादव, बादल मिर्धा, अनूप लकड़ा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

श्रावण सह सिंधारा महोत्सव का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। श्री राणी सती मंदिर कमेटी के तत्वावधान में रविवार को श्री राणी सती मंदिर परिसर में दादीजी का श्रावण सिंधारा उत्सव बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। मंदिर प्रांगण में प्रातः छह बजे महोत्सव संयोजक दीपक गोयनका सपत्नीक ने गणेश पूजन कर महोत्सव का शुभ आरंभ किया और अखंड ज्योत प्रज्वलित किया। इसके बाद दादीजी का मंगल पाठ और सिंधारा प्रारंभ किया गया। अध्यक्ष रामअवतार नरसरियाने बताया कि प्रातः 501 सुहागिन महिलाओं द्वारा मंगल पाठ किया गया। विमल झुनझुनवाला ने बताया कि इस अवसर परदादीजी की नयनाभिराम झांकी बनायी गयी। महोत्सव सह संयोजक पवन लोहिया और मनोज अग्रवाल ने बताया कि रात्रि समापन आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्रावन सिंधारा को सफल बनाने में रतन जालान, भानु प्रकाश जालान, अध्यक्ष रामअवतारनारसरिया, मंत्री मनोज जालनके अलावे दिनेश टेकरीवाल, अमर पोद्दार, अक्षय हरलालका, विमल झुनझुनवाला, विकाश बंसल, अमर चौधरी, राजा भालोटिया, कमाल खेतावत, श्याम अग्रवाल, आयुष नारसरिया, गुड्डू सिंघानिया, गौतम अग्रवाल, अंकुर डागा, किशन मोदी, पवन शर्मा, पवन जालान, प्रदीप नारसरिया, प्रदीप लोहिया, आशुतोष खेतान, लोकेश जालान, तरुण सराफ, पुलकित अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, संतोष मोदी, बिनू ठक्कर, सुमित महलका, संजय केडिया, राजेश शर्मा, गौरव कटारुका, विकाश अग्रवाल ने अपना योगदान दिया।

उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर पहाड़ी मंदिर में मनोहारी श्रृंगार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पहाड़ी बाबा मंदिर के आधार तल पर विराजमान महाकाल का रविवार को भोले की फौज की ओर से उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर मनोहारी श्रृंगार हुआ। वहीं रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति की ओर से कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दीपदान कर नमन किया गया। मंदिर समिति के सचिव एवं रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार समेत अन्य ने इस मौके पर अमर शहीदों की याद में दीपक जलाए और उनके बलिदान को नमन किया।

भोले की फौज की ओर से तीसरी सोमवारी के पूर्व संध्या पर शिवालय में विराजमान महाकाल का जगत उज्जैन के महाकाल के तौर पर श्रृंगार किया गया। शिव भक्त कलाकारों की टीम में शामिल रौनक सिंह, पीयूष, रितेश, अभय, अंकित, आशुतोष, विकास यादव, हिमांशु ने श्रृंगार में योगदान किया। शिव भक्तों ने भजन प्रस्तुत किया। भस्म आरती के बाद महाभोग चढ़ाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच खीर भोग प्रसाद का वितरण हुआ। विशेष श्रृंगार आयोजन में कृष्ण कन्हैया, सुनील माथुर, रश्मिकांत मिश्रा, जितेंद्र पहलवान, राजकुमार शर्मा, सौरभ चौधरी, राजेश यादव समेत बड़ी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में पांच दिवसीय श्री कृष्ण बीतक कथा शुरू

विदुषी साध्वी मीना महाराज और पूर्णा महाराज ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग का किया भावपूर्ण वर्णन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री राधा कृष्ण मंदिर पुंदाग रांची के प्रांगण में रविवार को पांच दिवसीय संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर वृंदावन से पधारी सुप्रसिद्ध कथा वाचिका विदुषी साध्वी मीना महाराज एवं विदुषी पूर्णा महाराज ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। कथा की शुरुआत मंगलाचरण और श्री गणेश वंदना से हुई। इसके पश्चात संगीतमय शैली में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा प्रारंभ हुई।

साध्वी मीना महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, कंस के अत्याचार, वासुदेव और देवकी की पीड़ा तथा जेल में श्रीकृष्ण के अवतरण की दिव्य कथा का सजीव चित्रण किया। उनके साथ साध्वी पूर्णा महाराज ने गायन और प्रसंगों की संगीतमय प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। साध्वीजी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जन्म केवल देवकी और वासुदेव के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण मानवता के कल्याण हेतु हुआ था।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि यह कथा प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से बजे से शाम 5 बजे तक बजे तक आयोजित की जा रही है। इस मौके पर विजय अग्रवाल, डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, संजय सर्राफ, विशाल जालान, मधु जाजोदिया, विष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, नवल टिबड़वाल, सुरेश चौधरी, नंदकिशोर चौधरी, पवन पोद्दार, विद्या देवी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, शोभा जालान, सुमन चौधरी, अमिता जालान, ललिता पोद्दार, रेखा पोद्दार, शारदा पोद्दार, उर्मिला पाड़िया और आशा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

श्री जीण माताजी का सावन सिंधारा उत्सव मनाया, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रांची (आजाद सिपाही)। श्री जीण माता प्रचार समिति द्वारा आदि शक्ति श्री जीण माताजी का सावन सिंधारा उत्सव रविवार को स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में मनाया गया। उत्सव की शुरूआत गणेश वंदना के साथ माता की ज्योत प्रज्वलित कर की गयी। इसके साथ ही पुरुलिया से आयी भजन गायिका शीतल कटारुका ने माता के भजनों की शुरुआत की। अपने मधुर भजनों से उन्होंने पूरे उत्सव में जीण भक्ति रस की वर्षा कर दी। माता को चुनरी, मेंहदी, गजरा और निशान चढ़ायी गयी। महाआरती और महाप्रसाद के साथ आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय पालड़ीवाल, सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी, सह सचिव प्रदीप शर्मा, अजय अग्रवाल, विनय अग्रवाल, गौरव पालड़ीवाल, विशाल पालड़ीवाल संदीप शर्मा, आनंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, मनोज चौधरी, संदीप विजयवर्गीय, सुनीता मित्तल, कविता सोमानी, संगीता अग्रवाल, ऊषा शर्मा, नीरा शर्मा और सविता शर्मा ने सहयोग दिया।

सद्‌गुरु स्वतंत्र देव महाराज का 78वां जन्मोत्सव मनाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। लालजी हिरजी रोड स्थित सत्य गंगा ऑर्किड परिसर में विहंगम योग संत समाज द्वारा सद्‌गुरु आचार्य स्वतंत्र देव महाराज का 78वां जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार और संतवाणी के संग हुआ। विहंगम योग मासिक पत्रिका के संपादक एवं संत समाज के प्रमुख स्तंभ, परम श्रद्धेय कवि सुखनंदन सिंह 'सदैव' ने इस अवसर पर अत्यंत मार्मिक और प्रेरक शैली में सद्‌गुरु स्वतंत्र देव महाराज के जीवन के गौरवशाली प्रसंगों को प्रस्तुत किया। इसमें विष्णु कांत खेमका, डॉ पंकज दुबे, गजेंद्र सिंह, शोभा राम यादव, डॉ निरंजन प्रसाद, अनिल शर्मा, राम लखन राणा, सच्चिदानंद शर्मा सहित अनेकों सेवकों और भक्तों ने अपनी सेवाएं दीं। समापन पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक संतोष की अनुभूति की।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वडोदरा की एल्सटॉम फैक्ट्री का किया दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

वडोदरा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को गुजरात के वडोदरा जिले के सावली में स्थित रेलवे के लिए कोच, लोकोमोटिव, बोगी और अन्य उपकरण बनाने वाली कंपनी एल्सटॉम की फैक्ट्री का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री का उत्पादन और रख-रखाव का जायजा लिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस दौरान फैक्ट्री में उपयोग की जाने वाली सामग्री, डिजाइन प्रक्रिया, भारत में स्थानीय प्रतिभा के विकास और ग्राहक संतुष्टि को लेकर विस्तार से जानकारी ली। एल्सटॉम के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कंपनी हर ऑर्डर के लिए नया डिजाइन विकसित करती है और 'डिजाइन इन इंडिया' की सोच को बढ़ावा दे रही है। इसके बाद उन्होंने भारत में बने इन कलपुर्जों की सराहना की, जो ऑस्ट्रेलिया, यूके, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और मैक्सिको जैसे देशों में निर्यात किये जा रहे हैं।

वैष्णव के दौरे के दौरान फैक्ट्री में निवारक रखरखाव के लिए सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। उन्होंने एल्सटॉम और पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन के बीच चल रही प्रशिक्षण साझेदारी की सराहना की और देश की सभी उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक को एल्सटॉम फैक्ट्री का दौरा कर इससे सीखने का सुझाव दिया। इस दौरान रेलमंत्री के साथ वडोदरा के सांसद डॉ हेमांग जोशी, सावली के विधायक केतन इनामदार, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता, वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रिम्स 2 और विस्थापन पर बोले राजेंद्र प्रसाद

विस्थापन से मिट जायेगा आदिवासियों का अस्तित्व

- गैर मजरुआ जमीन पर हो रिम्स 2 का निर्माण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने रिम्स 2 के निर्माण को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विस्थापन झारखंड में अभिशाप बन गया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और मूलवासी सदानों का विस्थापन किसी कीमत पर नहीं हो, यह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को व्यक्तिगत रूप सुनिश्चित करना चाहिए। श्री प्रसाद ने कहा कि आदिवासियों का जीविका का आधार जमीन है। उन्होंने कहा कि आदिवासी विस्थापित होते चले गये, तो इनका अस्तित्व ही मिट जायेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी और मूलवासी सदान के लिए विस्थापन अभिशाप बन गया। रिम्स 2 किसी गैर मजरुआ जमीन पर ही बनना चाहिए।

श्री जीण माता परिवार ने मंगल पाठ सह सिंधारा महोत्सव मनाया

सावन की रुत है आजा मां तुझे झूला हम झुलायेंगे...

माता जीण भवानी को 51 फीट की चुनरी उढ़ायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री जीण माता परिवार के द्वारा स्थानीय अग्रसेन भवन, अग्रसेन पथ में मंगल पाठ सह सिंधारा महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अध्यक्ष दिलिप पटवारी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत अपराह्न दो बजे मंत्रोच्चारण के साथ श्री जीण माता की ज्योत प्रज्वलित कर की गयी। तत्पश्चात 151 महिलाओं द्वारा राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में मंगल पाठ किया गया। मंगल पाठ के दौरान माता का जन्मोत्सव, मेहंदी महोत्सव, चुनरी महोत्सव एवं गजरा महोत्सव मनाया गया। साथ ही माता को छप्पन भोग लगाया गया। विशेष रूप से बनायी गयी 51 फीट की चुनरी माता जीण भवानी को उढ़ायी गयी। सावन सिंधारा के उपलक्ष में माता को भक्तों के द्वारा बड़े ही चाव से झूला झुलाया गया। कार्यक्रम में रांची के अलावा आसपास की लगभग सभी धार्मिक संस्थाओं ने हिस्सा लिया। महोत्सव का समापन महाआरती के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुभाष अग्रवाल, विक्रम खेतावत, प्रदीप सिंघानिया, विकास शिवरामका, मनीष पालड़ीवाल, पवन सिंघानिया, संजय मोदी, विजय केडिया, मुकेश भारतीया, संजय मारोदिया, अर्चना अग्रवाल, मिथिलेश सिंघानिया, सुशील चौधरी, सोनू मोदी संदीप डीडवानिया इत्यादि मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

थाइलैंड-कंबोडिया जंग में ट्रंप की एंट्री

दक्षिण-पूर्व एशिया में पिछले चार दिन से चल रही सीमा झड़प के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता ने राहत की उम्मीद जगा दी है। थाईलैंड और कंबोडिया, जिनके बीच सीमा पर लगातार गोलीबारी हो रही थी, अब संघर्ष विराम पर बातचीत को तैयार हो गये हैं। थाइलैंड-कंबोडिया सीमा पर गुरुवार को एक सुरंग में विस्फोट से शुरू हुई झड़प अब तक 33 लोगों की जान ले चुकी है और करीब 1.68 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं। दोनों देशों के सैनिक अब भी कई इलाकों में आमने-सामने डटे हुए हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट से बात की है। ट्रंप ने दो टूक कहा कि अगर झड़प नहीं रुकी तो अमेरिका किसी भी तरह का व्यापार समझौता आगे नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद दोनों देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए राजी हो गये। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि हम तत्काल और बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने थाई पीएम से बात की और अब थाइलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है। यह दोनों देशों के सैनिकों और लोगों के लिए अच्छी खबर है। मानेट ने अपने उप-विदेश मंत्री प्राक सोखोन को जिम्मेदारी दी है कि वे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से समन्वय करें और थाई विदेश मंत्री से सीधी बातचीत कर संघर्षविराम को जमीन पर उतारें। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फुमथाम ने ट्रंप को धन्यवाद दिया और साफ किया कि उनका देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन कंबोडिया को इसमें ईमानदारी दिखानी होगी। थाई पीएम ने जल्द से जल्द द्विपक्षीय वार्ता की अपील भी की है। हालांकि, थाई सेना की उप प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सोवानोंत ने कहा कि ट्रंप की मध्यस्थता एक अलग पहल है, लेकिन जमीन पर गोलाबारी फिलहाल बंद नहीं होगी। रविवार तड़के भी कंबोडियाई सेना ने थाईलैंड के सुरिन प्रांत में भारी गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि संघर्षविराम तभी लागू होगा जब कंबोडिया औपचारिक बातचीत शुरू करेगा।सीमा पर तनाव का कारण वर्षों पुराना सीमा विवाद है। इस बार बृहस्पतिवार को सुरंग में हुए विस्फोट में थाईलैंड के पांच सैनिक घायल हुए, जिसके बाद दोनों तरफ से भारी हथियारों से गोलीबारी शुरू हो गयी। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों से उम्मीद जगी है कि हजारों बेघर लोगों को सुरक्षित घर वापसी का मौका मिल सकेगा, लेकिन जमीनी हालात बताते हैं कि सीमा पर तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फुमथाम ने ट्रंप को धन्यवाद दिया और साफ किया कि उनका देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन कंबोडिया को इसमें ईमानदारी दिखानी होगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता-नये भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

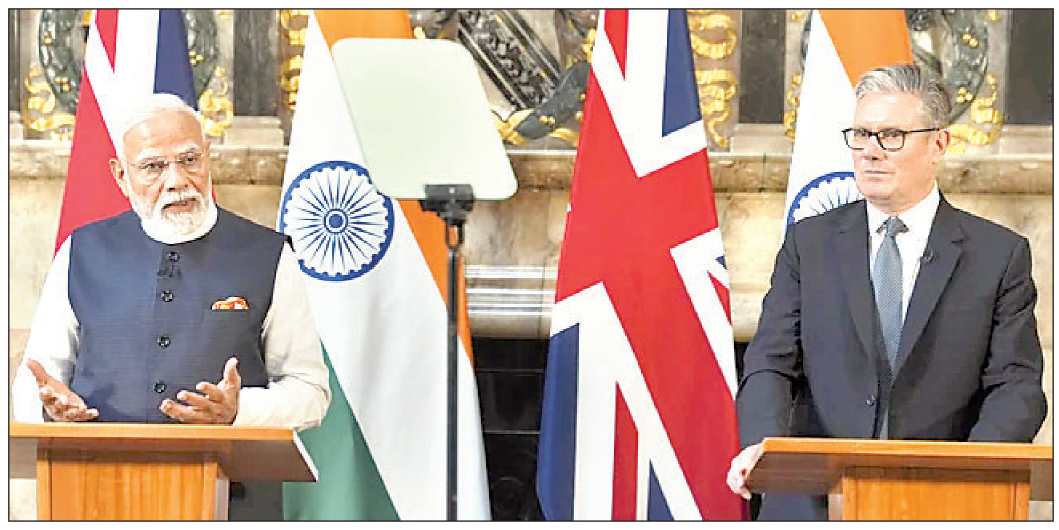

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीइटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीइटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति : वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनायी। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

मोदी के नेतृत्व में भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त : यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोजगार : आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा। रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम : 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा। हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमजोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास-भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओड़िशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे। झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घट कर शून्य हो जायेगा। यह संभावना अभूतपूर्व है, क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर : यह समझौता आइटी/आइटीइएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए : प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नये मानक स्थापित किये हैं। इस इएफटीए के साथ भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आइटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था। इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं : व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किये हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वातार्लाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीइटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किये बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक : भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

कोल्हान की खबरें

शंकर चंद्र हेंब्रम ओड़िशा से स्वस्थ होकर लौटे झामुमो नेताओं ने घर पहुंच कर हालचाल जाना

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। पूर्वी सिंहभूम जिले के वरिष्ठ आंदोलनकारी सह नाशूश (नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संघर्षशील) नेता शंकर चंद्र हेम्ब्रम की तबीयत बीते दिनों अचानक बिगड़ गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार में मंत्री रामदास सोरेन की देखरेख में उन्हें बेहतर इलाज के लिए भुवनेश्वर (उड़ीसा) के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की निगरानी और समुचित इलाज के बाद अब उनकी सेहत में सुधार हुआ है। वे स्वस्थ होकर घर लौट आए हैं। उनके घर लौटने की खबर मिलते ही रविवार को झामुमो नेता राजेश सामंत,जिला परिषद सदस्य खगेन महतो, आंदोलनकारी मनोहर हुसैन एवं आंदोलनकारी छोटेलाल सरदार उनके मुसाबनी स्थित आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वस्थ होने पर प्रसन्नता जताई।झामुमो नेता राजेश सामंत ने कहा शंकर चंद्र हेम्ब्रम झारखंड आंदोलन की एक मजबूत कड़ी रहे हैं। उनके संघर्ष का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे हमेशा गरीब, वंचित और आदिवासी समाज की आवाज बने रहे हैं। उनका स्वस्थ रहना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा की बात है। मौके पर परिजनों ने इलाज और सहयोग के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री रामदास सोरेन और प्रशासन के प्रति आभार जताया। वहीं स्थानीय ग्रामीणों और समर्थकों ने भी उनके स्वस्थ होकर लौटने पर राहत की सांस ली।

बीडीओ ने आवास को 10 दिन में पूरा करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

बोड़ाम। जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम प्रखंड में बीडीओ किकू महतो ने जेई, एई और पंचायत सचिवों के साथ अबुआ आवास योजना 2024-25 के लंबित कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बोंटा, पातीपानी और डांगडुंग गांवों में आदिम जनजाति समुदाय (बिरहोर, पहाड़िया, सबर) के लाभुकों को 10 दिनों के भीतर आवास निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने सवाल उठाया 2 लाख की योजना में अब तक 1.80 लाख दिए जाने के बावजूद निर्माण अधूरा क्यों है। उन्होंने चेतावनी दी कि देरी पर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया बोड़ाम प्रखंड की 12 पंचायतों में कुल 1400 लाभुकों को योजना का लाभ मिला, जिनमें अधिकांश आवास पूरे हो चुके हैं। शेष योजनाओं की जांच कर जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

महिला सशक्तिकरण के लिए जनप्रतिनिधियों की बैठक, पांच गांव की सैकड़ों महिलाएं शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मुसाबनी प्रखंड के धोबनी गांव में स्वाधीना संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। रविवार को बैठक में आस पास के पांच गांवों की लगभग 130 महिलाएं शामिल हुईं।बैठक की शुरूआत प्रेरणादायक गीत से की गई। स्वाधीना की सचिव सास्वती रॉय पटनायक ने स्वागत भाषण देते हुए बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर मुखिया सुकुरमणि हेम्ब्रम, सीडब्ल्यूएस की सुप्रिति मुर्मू, अभा सिन्हा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सिद्धार्थ जयसवाल सहित कई वक्ताओं ने आदिवासी महिलाओं की भूमिका,जैविक खेती और सशक्तिकरण के आयामों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य खगेन महतो ने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और महिला सशक्तिकरण संबंधी मांग पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम में बिजली समस्या के समाधान के लिए भी मांग पत्र सौंपा गया।बैठक में डॉ रत्ना मुखर्जी, नीलीमा सरकार, पापिया शर्मा, प्रबीर सरकार, लादूराम महतो आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बैठक का समापनह्लहम होंगे कामयाबह्व गीत के साथ हुआ, जिससे महिलाओं में आत्मबल और उत्साह बढ़ा।

बिरसानगर में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिरसानगर जोन नंबर 6 में बिरसा स्पोर्टिंग लेट सचू कोया मेमोरियल क्लब द्वारा एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। रविवार को झामुमो सिदगोड़ा नगर समिति के उपाध्यक्ष रामू हेंब्रम व उनकी टीम के नेतृत में आयोजित टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि झामुमो युवा नेता प्रहलाद लोहरा शामिल हुए। अतिथियों के द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त व फुटबॉल में किक मारकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। मौके पर दूर-दराज से आए खिलाड़ियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। इस अवसर पर प्रकाश उरांव, संतोष साडिल, अमूल्य कर्मकार, शंकर कर्मकार, सुदर्शन सोय, बिलसन किस्पोटा, कोमल कोया सहित झामुमो के कई युवा नेता व क्लब के सदस्यगण उपस्थित रहे।

निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन की बैठक भाषा-संस्कृति उत्सव 22-23 नवंबर को

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन घाटशिला शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को गौरीकुंज परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सर्वभारतीय सह सभापति गौतम भट्टाचार्य ने की।बैठक में आगामी 22-23 नवंबर को आशा ऑडिटोरियम, घाटशिला में दो दिवसीय भाषा-संस्कृति उत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उत्सव में झारखंड, बिहार और उड़ीसा के प्रतिनिधि भाग लेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में बंगाली सांस्कृतिक के साहित्यकार, भाषाविद् व सांस्कृतिक कार्यकर्ता आमंत्रित होंगे। इस अवसर पर एक विशेष पत्रिका का प्रकाशन भी किया जायेगा। बैठक का संचालन कंचन कर व धन्यवाद ज्ञापन तपन महतो ने की। मौके पर मनोज सतपति, बिपुल गुप्ता, आशीष गुप्ता,तापस चटर्जी, तपन महतो, बरुण राय, शिल्पी सरकार, मृणाल कांति विश्वास उपस्थित रहे।

एनिग्मा की प्री-पूजा प्रदर्शनी में महिलाओं की उमड़ी भीड़, सावन उत्सव बना आकर्षण का केंद्र

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। साकची बंगाल क्लब के प्रथम तल्ले में महिलाओं द्वारा संचालित कोलकाता की प्रसिद्ध संस्था श्एनिग्माश् के तत्वावधान में चार दिवसीय प्री-पूजा प्रदर्शनी के दूसरे दिन जोरदार रौनक देखने को मिली। मौके पर सावन उत्सव को लेकर विशेष सजावट की गई जो महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। प्रदर्शनी में तसर सिल्क, लोम्बानी कलेक्शन, हस्तशिल्प परिधान, आभूषणों के साथ एस्ट्रोलॉजी और न्यूमेरोलॉजी के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा ग्रह-नक्षत्रों की गणना की सुविधा भी उपलब्ध है। महिलाओं ने इसे बड़े उत्साह के साथ अनुभव किया। संस्था की प्रमुख एलिट्रा सिन्हा मुखर्जी ने बताया यह प्रदर्शनी लगातार 14वीं बार जमशेदपुर में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना।प्रदर्शनी में कोलकाता और जमशेदपुर के करीब 30 स्टॉलधारकों ने हिस्सा लिया। इसमें महिलाओं के लिए विशेष फैशन कलेक्शन, साड़ी, कुर्ती, हैंडमेड ज्वेलरी और पुरुषों के लिए भी आकर्षक परिधान उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में न केवल स्थानीय कारीगरों को मंच मिला बल्कि शहर की महिलाओं को पारंपरिक और आधुनिक वस्त्रों एक ही छत के नीचे खरीदारी का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा।

‘कॉफी विद एसडीएम’ में खाद-बीज विक्रेताओं के साथ होगा संवाद

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जनहित से जुड़े विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित करने हेतु सदर एसडीएम संजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित किए जा रहे ‘कॉफी विद एसडीएम’ कार्यक्रम की इस बार की कड़ी में खाद-बीज विक्रेता आमंत्रित किए गए हैं। इस संवादात्मक बैठक का उद्देश्य कृषकों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना है। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि इस पहल के माध्यम से प्रशासन और व्यापारिक वर्ग के बीच सहयोग को मजबूत किया जा रहा है, जिससे किसानों को लाभ पहुंचे और अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके। उक्त कार्यक्रम में आगामी बुधवार दिनांक 30 जुलाई को पूर्वान्ह 11:00 बजे अनुमंडल कार्यालय सभागार में अनुमंडल क्षेत्र के सभी अनुज्ञप्ति धारक खाद्य विक्रेता विशेष रूप से आमंत्रित है।

मामूली विवाद में युवक ने व्यापारी की पीठ में घोंपा चाकू, हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। कांडी थाना क्षेत्र के गड़ाखुर्द पंचायत अंतर्गत गांव निवासी 45 वर्षीय देवेंद्र ठाकुर पर गांव के ही युवक ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलावस्था में उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

घटना शनिवार रात लगभग 8:30 बजे की है जब देवेंद्र ठाकुर, जो अपने घर पर एक जेनरल स्टोर चलाते हैं, का गांव के ही अशर्फी दुबे के पुत्र अभिषेक दुबे उर्फ बाबू दुबे (उम्र 35 वर्ष) से किसी बात को लेकर

गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक दुबे के साथ पुलिस।

विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गयी कि अभिषेक ने गुस्से में आकर देवेंद्र की पीठ में चाकू घोंप दिया। चाकू लगते ही देवेंद्र मौके पर ही गिर पड़े और अभिषेक वहां से फरार हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत गढ़वा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चाकू पीठ में गहरे तक धंसा होने के कारण उसे मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज में भी नहीं निकाला जा सका। चिकित्सकीय सलाह पर परिजन उन्हें रांची के मेडिका अस्पताल ले गये, जहा उनका इलाज जारी है। इस घटना को लेकर कांडी थाना में कांड संख्या 71/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार अभियुक्त अभिषेक दुबे को औरंगाबाद (बिहार) से गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में गढ़वा भेज दिया है। थाना प्रभारी अविनाश राज ने बताया कि अपराधी को पकड़ने के लिए विशेष टीम बनायी गयी थी, जिसके बाद उसे पकड़ा जा सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

बिजली करेंट से युवक की मौत

ग्रामीणों ने कहा, बिजली विभाग की लापरवाही से हुई मौत

प्रमुख अजय शाह, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने सांत्वना देते हुए कहा कि इसकी शिकायत लिखित रूप से विभाग के पास दिया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। बिजली करेंट से युवक की मौत घर में मचा कोहराम। मिली जानकारी के अनुसार धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा प्रखंड अंतर्गत मकरी गांव निवासी 46 वर्षीय बिंदु प्रजापति पिता राजेंद्र प्रजापति अहले सुबह पांच बजे अपने बाहर पशुओं भूसा देने के लिए घर से बाहर जा रहा था, इसी बीच आंधी पानी से गिर चुके करेंट प्रवाहित बिजली तार की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही बिंदु की दर्दनाक मौत हो गयी। ग्रामीणों ने इस मौत की जिम्मेवारी बिजली विभाग को लगाते हुए कहना था कि बिजली

विभाग के द्वारा जैसे तैसे बिजली घरों में पंहुचाकर मीटर लगा दिया गया, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से केबल लगा तार नहीं दिया है। जिस कारण मकरी के उपभोक्ता अपने स्तर से घटिया किस्म का तार जोड़ कर बिजली जलाने पर मजबूर है। अगर बिजली विभाग के द्वारा सुरक्षित तार से कनेक्शन लगाया होता, तो इस दर्दनाक घटना को रोका जा सकता था। इस घटना की सूचना पर धुरकी थाना के एस आई सुभाष अकेला अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव को गढ़वा भेज दिया है। परिजनों का कहना है कि मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। घटना के बाद सांत्वना देने वालो का ताता लगा हुआ है। इस घटना के बाद पहुंचे प्रखंड प्रमुख अजय शाह, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने सांत्वना देते हुए कहा कि यह दुर्घटना बिजली विभाग के लापरवाही से हुआ है। इसकी शिकायत लिखित रूप से विभाग के पास दिया जायेगा। साथ ही सरकार के द्वारा निर्धारित छतिपूर्ति के साथ विधवा हो चुके मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता दिलवाया जायेगा। इधर सांत्वना देने वालों में मुख्यरूप से पूर्व जिप सदस्य नंद गोपाल यादव, पूर्व मुखिया इशहाक अंसारी, भाजपा नेता राजेश जयसवाल, धीरज जयसवाल, रामचंद्र शाह, सोनू मौर्या, रामचंद्र शाह, बिनोद ठाकुर, अशोक कुशवाहा, विजय यादव का नाम शामिल है।

डीएवी भवनाथपुर में तीन दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का समापन

खेल में जीत और हार एक सतत प्रक्रिया है : विधायक अनंत

आजाद सिपाही संवाददता

भवनाथपुर। डीएवी शताब्दी पब्लिकस्कूलभवनाथपुर में तीन दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स 2025 क्लस्टर लेवर का प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव, सेल डीजीएम एसयु मेदा, एजीएम भगवान पाणिग्रही, डॉ सुशील कुमार पांडे, बीडी सिंह डीएवी प्राचार्य राजेंद्र कुमार सिंह ने विजेता व उपविजेता टीम को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कुमार सिंह ने अतिथियों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक अनंत प्रताप देव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा की

भावना जरूरी है। खेल में जीत और हार एक सतत प्रक्रिया है। हार दूसरे लक्ष्य के करीब ले जाता है। उन्होंने विद्यालय परिवार को आश्वासन दिया कि विद्यालय को आगे बढ़ाने में विद्यालय परिवार जहां मुझे खोजेगा, मैं तन, मन, धन से तैयार रहूंगा। इस मौके पर इस विद्यालय के पूर्व छात्र सह पलामू के डॉ सुशील पांडे ने अपने गुरुजनों की स्मृति में प्रतिवर्ष गणित, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों विभागों के 11वीं टॉपर छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का फैसला किया। छात्रवृत्ति स्वरूप 11वीं के विज्ञान विभाग की अर्पणा एवं गणित में दिव्यांश पांडे को दश दश हजार रुपय का चेक प्रदान किया। अंडर 17 क्रिकेट बालक वर्ग में डीएवी हेहल रांची ने डीएवी गुमला को 9 रन से हरा कर विजेता बनी। अंडर 14 फुटबॉल बालक वर्ग में डीएवी गुमला ने हेहल रांची को 1 गोल से विजेता बनी, अंडर 17 फुटबॉल बालक वर्ग में डीएवी गढ़वा ने डीएवी हेहल रांची को 2 गोल से हराकर विजेता बनी, अंडर 19 फुटबॉल बालक वर्ग मे डीएवी सिमडेगा ने डीएवी गुमला को 1 गोल से हरा कर विजेता बनी। इस प्रतियोगिता में डीएवी हेहल रांची, डाल्टेनगंज सिमडेगा, गढ़वा, गुमला, सिल्ली, खलारी, भवनाथपुर विद्यालय के 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा पांडे एवं मयंक कुमार कुमार ने किया, धन्यवाद ज्ञापन पीजीटी शिक्षक जयशंकर तिवारी ने किया। इस मौके पर मुकेश शुक्ला, अलोक तिवारी, ओपी सिंह, अरुण कुमार सिंह, संजय राय भट्ट, प्रवीण पांडे, अनिल द्विवेदी, शौकत अली, विजय शंकर दुबे, सुमंत धर दुबे, बीबी साहू, गणेश त्रिवेदी, राजीव सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

जेपीएससी परिणाम ने धांधली का आरोप लगाने वाली भाजपा को दिखाया आइना : धीरज दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा हाल ही में परीक्षा परिणाम घोषित किए गये। जिसे लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य धीरज दुबे ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी के परिणामों ने भाजपा को आईना दिखा दिया है, क्योंकि इसमें प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों ने सफलता पाई है। यह पारदर्शिता और योग्यता का प्रमाण है।

धीरज दुबे ने भाजपा पर तत्कालीन चुनावी माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से जेपीएससी की साख को धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि भाजपा जानबूझकर झारखंड के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करती आई है और हरेक संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाते रही है। भाजपा को न तो आदिवासी हितों की चिंता है और न ही झारखंड की अस्मिता की। उनका केवल एक ही एजेंडा झूठ फैलाकर जनता को भ्रमित करना है।

जेपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2023 का परिणाम हाल ही में जारी हुआ जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। धीरज दुबे ने उदाहरण देते हुए कहा कि राजधानी रांची से लेकर सुदरवर्ती जिलों से बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का चयन हुआ है। क्या परिणाम के बाद भाजपा यह बताना चाहेगी कि इसमें धांधली कैसे और कहां हुई थी? या यह भाजपा के द्वारा सिर्फ सरकार को बदनाम करने की साजिश मात्र थी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से संपन्न किया। प्रणाम घोषित होने के बाद गिग वर्कर्स के रूप में काम करने वाले विद्यार्थी, कमजोर एवं गरीब तबको के होनहार बच्चों ने बाजी मारी है।

धीरज दुबे ने इस बात पर भी जोर दिया कि युवाओं का मनोबल तोड़ना एक गंभीर अपराध है। कई छात्र सालों की मेहनत के बाद इस मुकाम पर पहुंचते हैं। भाजपा उनके संघर्ष का अपमान करने का भरपूर प्रयास किया।

दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कोशिशों से जेपीएससी जैसी संस्थाएं अब पारदर्शी और जवाबदेह हो चुकी हैं। यह नया झारखंड है, जहां अवसर योग्यता के आधार पर मिलते हैं, न कि राजनीतिक सिफारिश से। घोषित परिणामों में 90% स्थानीय छात्रों को जगह मिली है।

रंका पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह के नेतृत्व में रविवार को रंका थाना अंतर्गत चुतरू उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में समाज में व्याप्त कुरीतियों, सड़क व साइबर सुरक्षा आदि से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीण जनता, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल विवाह, दहेज प्रथा, डायन प्रथा, नशाखोरी, सड़क सुरक्षा, साईबर सुरक्षा तथा समाज में व्याप्त तमाम बुराई एवं कुरीतियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के सहयोग से सड़क सुरक्षा हेतु नुक्कड़ नाटक का मंचन कर इससे बचाव के उपाय भी बताये गये। इस मौके पर चुतरू मुखिया खालिद अंसारी, रंका एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान, अंचल कर्मी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला उपाध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ युवा नेता रौशन पाठक को पार्टी के गढ़वा जिला उपाध्यक्ष बनने पर रंका प्रखंड और पंचायत के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर सम्मानित किया है। इनमें कंचनपुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह अखिल भारतीय भुईयां समाज के प्रखंड सचिव विजय कुमार भुईयां, कंचनपुर पंचायत के अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी, धर्मेंद्र उर्फ छोटू दूबे, रामबाबू ठाकुर, युवा पंचायत सचिव राजीव ठाकुर, सूरज रजक, रामाधार ठाकुर सहित काफी संख्या में युवा उपस्थित थे।

हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए : गुड्डू तिवारी

भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने गढ़वा सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान कर जच्चा-बच्चा की जान बचायी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने 11वीं बार रक्तदान कर मानवता का मिशाल कायम किया। जैसा कि गढ़वा के जोबरईया निवासी सुनील मेहता की पत्नी को रात्रि में अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ गयी। जिसकी सुचना मिलते ही रक्तवीर विवेक तिवारी ने तुरंत गुड्डू तिवारी से संपर्क किया। जिसके परिणामस्वरूप इसकी जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गुड्डू तिवारी तुरंत गढ़वा सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर जच्चा-बच्चा की जान बचायी। मौके पर भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने कहा कि हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। हमारे थोड़ी सी प्रयास करने से हम दुसरे का जीवन बचा

सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सदैव समाज के हित में काम करते आए हैं।

भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन भी करते रहते हैं, जिसका सीधा लाभ आम आदमी को मिल पाता है। रक्तदान के लिए सबको आगे आना होगा। जिससे किसी के जीवन को बचाया जा सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जब भी जरुरतमंद को आवश्यकता होती है, हमेशा रक्तदान के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान के प्रति स्वयं आगे आना चाहिए। इससे रक्तदान करने वाले लोगो को भी काफी लाभ होता है जो शरीर रक्तदान करता है, वहां नया शरीर में पुनः नया रक्त एक समय से बनते रहता है। आनेवाले समय में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलायेंगे, ताकी समय से पहले रक्त की व्यवस्था ब्लड बैंक में उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप विधायक प्रतिनिधि टिंकु गुप्ता वरिष्ठ समाजसेवी नवनीत शुक्ल अमित तिवारी अशोक विश्वकर्मा सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

शिव पहाड़ी गुफा मंदिर समिति की बैठक, 4 को निकलेगी कांवर यात्रा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। शिव पहाड़ी गुफा मंदिर परिसर रविवार को शिव पहाड़ी गुफा मंदिर विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक बबन साह ने की। अंतिम सोमवारी चार अगस्त को भव्य रूद्राभिषेक पूजन के साथ पारंपरिक कांवर यात्रा निकाली जायेगी। यह कांवर यात्रा केतार प्रखंड स्थित पांडा नदी तट से आरंभ होगी, जहां महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं को विधिवत जल संकल्प कराया जायेगा। इसके उपरांत श्रद्धालु 12 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय करते हुए शिव पहाड़ी गुफा मंदिर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेंगे। संरक्षक बबन साह, बैजनाथ साह, सुरेश ठाकुर, भानु गुप्ता, ओमप्रकाश आर्य, संजय साह, अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता एवं इंद्रजीत कुमार, सचिव रामविजय साह, उप सचिव चंद्रकेश्वर गुप्ता, कोषाध्यक्ष लालबहादुर साह, सह कोषाध्यक्ष सकेंद्र साह आदि को बनाया गया।

गढ़वा एसडीएम ने यूट्यूबर की हौसला अफजाई की

आजाद सिपाही संवाददाता

रमना । गढ़वा के एसडीएम संजय कुमार ने रमना निवासी और झारखंड के टॉप यूट्यूबर राजाराम प्रसाद के घर पहुंचकर रविवार को हौसला अफजाई की। सीखे ऑल इन हिंदी यू ट्यूब चैनल में पहुंचकर उन्होंने जमकर तारीफ की। कहा कि रमना जैसे छोटे जगहों से गढ़वा नहीं, बल्कि राज्य में अपनी पहचान बनाने वाले राजाराम प्रसाद किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं, बल्कि आने वाले युवाओं को आगे बढ़ कर सकारात्मक रूप से प्रेरणा लेने की जरूरत है। बताया कि राजा राम ने जिस प्रकार महज 8 साल की उम्र में टोकरी में पाव-रोटी बेचने से लेकर आज 3.7 मिलियन सब्सक्राइबर वाले यूट्यूब चैनल तक का सफर तय करने वाले राजाराम की संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक कहानी ने सबको गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि अपने यूट्यूब चैनल के

जरिए मोबाइल से जुड़ी जानकारी, सोशल मीडिया ऐप्स, सरकारी अपडेट्स और ‘हाउ-टू’ गाइड्स आसान भाषा में साझा करना एक सराहनीय पहल है। लगभग दो घंटे से अधिक कार्यक्रम में एसडीएम संजय कुमार ने उन्हें सोशल मीडिया के जरिए सरकारी योजनाएं व लोक कल्याणकारी संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने में सहयोगी भूमिका निभाने की बात कही। मालूम हो कि राजाराम ने यूट्यूब की और से गोल्ड,सिल्वर प्ले बटन के साथ क्रिएटर कलेक्टीव आवर्ड पटना के अलावे जोश talks जैसे राष्ट्रीय मंच पर शिरकत कर चुके है। इस अवसर पर उनके बड़े भाई बलराम प्रसाद गुप्ता,धनश्याम प्रसाद, पिंटू गुप्ता, अमन सोनी सहित कई लोग मौजूद थे।

खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान

डंडई में चार से पांच सौ में यूरिया और उन्नीस सौ में बिक रही है डीएपी खाद

जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि यदि कोई दुकानदार खाद को निर्धारित दर से अधिक दाम पर बेच रहा है तो जांच कर उक्त दुकानदारों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड में अच्छी बारिश के बाद किसान खेती किसानी में पूरी तमन्नता के साथ जुट गये हैं। लेकिन खाद की महंगाई ने उन्हें एक बार फिर से बेबस कर दिया है। किसानों ने खाद की महंगाई को लेकर चिंता जताया है। चिंता व्यक्त करते हुए किसानों ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय डंडई, लवाही, रारो जरही, तसरार, सोनेहारा सहित

आसपास के ग्रामीण इलाकों में खाद की कालाबाजारी जोरों पर है। किसानों ने बताया कि खाद दुकानदारों के द्वारा निर्धारित दर से चार सौ से लेकर पांच सौ रुपये से भी अधिक पैसा लिया जा रहा है, जिससे हमलेगों को खरीफ फसलों में खाद डालने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद विक्रेताओं द्वारा मनमाने तरीके से दाम वसूला जा रहा है। लगभग 1300 रुपये के डीएपी खाद को उन्नीस सौ रूपये में बेचा जा रहा है। जिसको देखने वाला कोई माई बाप नहीं है। किसानों ने बताया कि यूरिया खाद लेने के लिए जाने पर उन्हें जबरन जॉयम की थैली और प्लास्टिक बाल्टी भी दी जा रही है, जिसकी कीमत उनसे अलग से वसूली जा रही है। किसानों का कहना है कि ये सामग्री खेती के लिए जरूरी नहीं है, फिर भी उन्हें मजबूरी में खरीदनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि अक्सर खेती-बाड़ी के समय खाद मिलना मुश्किल हो जाता है। और किसी तरह खाद मिलता भी है, तो बहुत ही ऊंचे दाम पर मिलता है। जिससे हम लोग बेबस होकर कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खाद की सीधे तौर पर कालाबाजारी की जा रही है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे छोटे अवैध दुकानदार खाद की मनमानी कीमत वसूल रहे हैं। किसान सीताराम यादव, विश्वनाथ यादव, मनदीप यादव, सुकाई चंद्रवंशी, अलीम अंसारी आदि ने बताया कि पिछले वर्ष अच्छी बारिश नहीं होने से हम लोगों को खेती में काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। जिससे हमलोगो कि स्थिति काफी दयनीय हो गयी है। ऊपर से महंगी कीमत पर खाद मिलना हम लोगों का कमर तोड़ दे रही है। खेती करने में फसल के उपज से ज्यादा लागत ही लग जा रहा है।

पक्ष : इस मामले में जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि यदि कोई दुकानदार खाद को निर्धारित दर से अधिक दाम पर बेच रहा है तो जांच कर उक्त दुकानदारों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

झाड़-फूंक के चक्कर में सर्पदंश के शिकार व्यक्ति की मौत

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलान गांव के तेनवाखाड़ी टोला में एक व्यक्ति की सांप काटने से मौत हो गयी। मृतक का नाम विष्णु देव सिंह 65 वर्ष है। मृतक के पुत्र धमेंद्र सिंह ने बताया कि मेरे पिता शनिवार को जंगल में बकरी चराने गये थे, इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने डस लिया। सांप के काटने के बाद उसके परिजन उसे लेकर उत्तर प्रदेश के रामगढ़ एक तांत्रिक के पास झाड़-फूंक करवाने ले गये। झाड़-फूक के दौरान उसकी स्थिति बिगड़ता देख परिजन द्वारा उसे सदर अस्पताल गढ़वा ले जाने के दौरान रास्ते में ही विष्णुदेव सिंह की मौत हो गयी।

नये थाना प्रभारी का स्वागत और निवर्तमान थाना प्रभारी को बीजेपी प्रतिनिधि मंडल ने किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। नगर ऊंटरी थाना के निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक के स्थानांतरण पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक को सम्मानित किया। भाजपा नेताओं ने श्री नायक को सामूहिक रूप से बुके, अंग वस्त्र, राधा कृष्ण जी की तस्वीर भेंट कर भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य नायक ने कहा कि नगर उंटारी में बिताया गया, मेरा कार्यकाल मेरे पुलिस जीवन के सबसे यादगार और सिख से भरपूर अनुभव में से एक रहा। यहां की जनता, राजनीतिक पार्टियों के नेताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने मुझे निरंतर सहयोग और सम्मान दिया, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मैंने सदैव कोशिश की कि कानून-व्यवस्था बनाये रखते हुए आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाये। चाहे वह बाजार क्षेत्र में सुरक्षा की बात हो या सामाजिक सौहार्द बनाये रखने की जिम्मेदारी हर कार्य में को मैंने अपने ड्यूटी से ज्यादा एक सामाजिक दायित्व समझकर निभाया। वहीं नये थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार का स्वागत भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से लक्ष्मण राम, शैलेश चौबे, अशोक सेठ, विभूति भूषण चौबे, विकास पांडे, अजय कुमार, मुकेश प्रजापति इत्यादि लोग उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

कुलपति नियुक्ति का अधिकार राज्य सरकार को देना शिक्षा की स्वायत्तता पर आघात : प्रकाश टूटी

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक-2025 के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खूंटी इकाई ने स्थानीय विधायक राम सूर्या मुंडा को ज्ञापन सौंपा गया। रांची विभाग संयोजक प्रकाश टूटी की अगुवाई में विधायक को सौंपे गये ज्ञापन में एबीवीपी ने राज्य सरकार द्वारा कुलपति एवं विश्वविद्यालय के उच्च पदाधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार महामहिम राज्यपाल से हटाकर राज्य सरकार को सौंपे जाने के प्रावधान पर गहरी आपत्ति जताते हुए विधायक से विधानसभा में इस विधेयक का विरोध दर्ज कराने एवं शिक्षा की स्वायत्तता को सुरक्षित रखने की मांग की है। मौके पर विभाग संयोजक रांची प्रकाश टुटी ने कहा कि यह विधेयक न केवल विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर आघात है, बल्कि संविधान में वर्णित राज्यपाल की गरिमा एवं संघीय ढांचे के भी प्रतिकूल है। परिषद ने स्पष्ट किया कि इस प्रावधान से शिक्षा के क्षेत्र में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ेगा, जिससे गुणवत्ता एवं निष्पक्षता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। एबीवीपी ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार इस विधेयक को बिना संशोधन के पारित करने का प्रयास करती है, तो परिषद राज्यव्यापी आंदोलन करने को बाध्य होगी। मौके पर जिला संयोजक पवन कुमार, नगर मंत्री अशोक टुटी, कार्यकारिणी सदस्य हीरांजलि हेंब्रम, सुखराम, दीपक, नीमोनती बोदरा आदि विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मृतक सीसीएलकर्मी के पुत्र को मिला प्रोविजनल नियुक्ति पत्र

खलारी (आजाद सिपाही)। एनके एरिया के डकरा परियोजना में कार्यरत ईपी फीटर भजराम गौड़ की ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने से हुई मौत के बाद रविवार की शाम उनके पुत्र शरत कुमार गौड़ को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र सीसीएल प्रबंधन के द्वारा दिया गया। मृतक सीसीएल कर्मी उड़ीसा के गंजम जिले के नूनिपोर गांव के रहने वाले थे। नियुक्ति पत्र दिए जाने के मौके पर श्रमिक प्रतिनिधि प्रेम कुमार, शैलेश कुमार, कृष्णा चौहान, पिंकू सिंह, सुनील कुमार सिंह, डीपी सिंह, देवपाल मुंडा, शैलेंद्र कुमार सिंह, हलीम खान, सुरेंद्र चौहान सहित कई लोग मौजूद थे। इधर रविवार की शाम ही मृतक सीसीएल कर्मी का अंतिम संस्कार चूरी शमशान घाट पर किया गया।

कांग्रेस ने की खूंटी, तोरपा और रनिया मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति

खूंटी (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत खूंटी जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में रविवार को खूंटी, तोरपा एवं रनिया प्रखंड के मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की गयी। इनमें खूंटी से पूर्वी मंडल अध्यक्ष निर्मल उरांव एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्ष सुनील मुंडा को बनाया गया। वहीं तोरपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार कर एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नमन तोपनो को बनाया गया। इसके अलावा रनिया प्रखंड के मंडल अध्यक्ष के रूप में रामसिंह राम का चयन किया गया। उक्त सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र दिया गया और माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा एवं तोरपा प्रखंड के पर्यवेक्षक सह जिला सांसद प्रतिनिधि पीटर मुंडू ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों से पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करने और संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कहते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर अंजनी रंजन, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, तोरपा प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता, रनिया प्रखंड अध्यक्ष जोन कंडुलना, खूंटी प्रखंड अध्यक्ष मरियम आईंद, यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव कुणाल कच्छप आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने मनाया सावन महोत्सव

खूंटी (आजाद सिपाही)। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार खूंटी द्वारा रविवार को स्थानीय सीता रसोई में सावन महोत्सव मनाया गया, जिसमें काफी संख्या में सज-धजकर महिलाओं ने भाग लिया। कार्य्क्रम की शुरूआत संचालिका रितिका लाल के स्वागत संबोधन से हुआ। प्रमिला भगत सिंधु भगत शीला भगत संगीता राय शकुंतला देवी, अनीता लाल और पुष्पा तिवारी ने सावन गीत की प्रस्तुति दी। मोनिका धान, संगीता जायसवाल वीणा शर्मा द्वारा नाट्य प्रस्तुति सास बहू की मस्ती दी गयी। सावन महोत्सव की सावन क्वीन सुनीता देवी चुनी गयी। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार का संदेश रहा प्रकृति के प्रति जागरूकता। मौके पर सभी महिलाओं ने पौधा रोपण भी किया।

प्रभावित परिवारों को दिया गया राशन

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गोपाल दास के निर्देश पर खलारी प्रखंड अंतर्गत मायापुर पंचायत के हाथी प्रभावित छह परिवारों को तत्काल राहत स्वरूप राशन चावल और नमक वितरित किया गया। पंचायत की मुखिया पुष्पा खलखो सहित राशन डीलरों के द्वारा वितरण किया गया। जनवितरण प्रणाली के डीलरों के माध्यम से प्रत्येक परिवार को चावल एवं नमक उपलब्ध कराया गया। यह राशन सामग्री दुली लुकइया और हरहु गांव के उन परिवारों को दी गयी, जिनके मकान बीते दिनों जंगली हाथियों के हमले में पूरी तरह ध्वस्त हो गये थे। पीड़ितों में दुली लुकइया निवासी समीर केरकेट्टा, पोलूस केरकेट्टा, बरनावास केरकेट्टा और हरहु निवासी अजीत टोप्पो, अरविंद टोप्पो, जॉर्ज टोप्पो शामिल हैं। राशन वितरण कार्य में डीलर कन्हाई साहू, लक्ष्मी गुप्ता, मुंशी साहू और देवेंद्र गुप्ता ने सक्रिय भागीदारी निभायी। वितरण प्रक्रिया के दौरान मायापुर पंचायत की मुखिया पुष्पा खलखो भी उपस्थित रहीं और उन्होंने वितरण कार्य की निगरानी की। प्रभावित ग्रामीणों ने राहत सामग्री पाकर प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं, बीएसओ गोपाल दास ने बताया कि आपदा की स्थिति में जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता पहुंचाई जा रही है। आगे भी जो जरूरतमंद होंगे, उन्हें यथासंभव राहत दी जायेगी।

पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री ने किया ध्वस्त पेलौल पुल और डायवर्सन का निरीक्षण

यह भ्रष्टाचार और सरकार की नाकामी की नतीजा है : नीलकंठ

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी-तोरपा पथ में बनई नदी में बने पेलौल पुल के ध्वस्त होने पर गहरी नाराजगी जताते हुए राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि यह भ्रष्टाचार और सरकारी की नाकामी की नतीजा है। विधायक पुल के क्षतिग्रस्त होने और अस्थायी डायवर्सन के बह जाने के बाद विधायक ने रविवार को ध्वस्त हुए पल और डायवर्सन का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे फट से बोले और खट से डावर्सन बन गया, लेकिन एक ही बारिश में डायवर्सन खटाखट बह गया। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि जिस आशा और विश्वास से खूंटी जिले की जनता ने खूंटी और तोरपा में अपना प्रतिनिधि चुना था, उसमें वे जनप्रतिनिधि खरा नहीं उतर रहे हैं। बिना टेंडर की प्रक्रिया पूरी किये, डावर्सन का शिलान्यास करना खूंटी और कांके विधायक की नासमझी है। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि डायवर्सन के बहने में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि टेंडर से पूर्व ही डायवर्सन निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। अब डायवर्सन बह जाने से वहीं अधिकारी विभाग द्वारा डायवर्सन बनाने की बात से इंकार करते हुए कहते फिर रहे हैं कि विभाग को नहीं मालूम कि डायवर्सन किसके द्वारा बनाया, जबकि वहीं अधिकारी शिलान्यास के समय लड्डू लेकर खड़े थे। ये सब जानते हैं कि विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में विधायक द्वारा डायवर्सन का शिलान्यास कार्य कराया गया था। पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर पक्का डायवर्सन निर्माण कार्य काम शुरू करने को कहा। उन्होंने

कहा कि पेलौल पुल के क्षतिग्रस्त होने से आम्रेश्वर धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां के जनप्रतिनिधि क्षेत्र के लोगों के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें यहां के समस्याओं को देखते हुये गंभीरता दिखाना चाहिये। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि अपने विधायक कार्यकाल में 15-16 पैकेज में 65 से 70 सड़कों का स्वीकृति कराया था। जिसका टेंडर और शिलान्यास हो गया था लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। छह पुलों का भी शिलान्यास कराया था। उन्होंने कहा कि पेलौल पुल बेहद महत्वपूर्ण पुल है। वहां भी डायवर्सन बह गया। विभाग सही से निगरानी नहीं रख रही है। उन्होंने 70 सड़कों का टेंडर हुआ, लेकिन काम शुरू नहीं उन्होंने बताया कि अपने विधानसभा क्षेत्र में कुल 16 पैकेज स्वीकृत कराए जिनमें 65 से 70 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। इन सभी योजनाओं का टेंडर हो चुका है। कुछ में एजेंसियों का चयन भी नहीं हुआ है, लेकिन एक भी योजना पर काम शुरू नहीं हुआ है। विधायक ने बताया कि उन्होंने स्वयं इन सभी सड़कों का शिलान्यास किया है। फिर भी कार्य आरंभ नहीं हुआ। निरीक्षण के क्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, प्रियांक भगत सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाईपास पथ निर्माण को लेकर रैयतों की ग्रामसभा आयोजित, कहा

जान देंगे, पर जमीन किसी भी कीमत पर नहीं देंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। बंता-राहे-बुंडू पथ के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण/पुर्ननिर्माण कार्य में रेलाडीह, खुदीमदुकम एवं पोवादीरी तीनों खूंटकटी राजस्व ग्राम में बाईपास पथ के निर्माण का पुरजोर विरोध के बाद झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार के तकनीकी सदस्य ने पत्रांकः एसएचएजे/ टेक्नो/ सीडब्ल्यू/ बंता -राहे रोड़/ 2024/ 583 (अनु०) के द्वारा भू अर्जन पदाधिकारी रांची को भू अर्जन प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। इसके बावजूद भू-अर्जन द्वारा बुंडू अंचल के माध्यम से उक्त गांवों के बाईपास पथ निर्माण के प्रभावित रैयतों को नोटिस कर रहा है। इससे रैयतों में संशय की स्थिति है। मौजूदा स्थिति पर चर्चा के लिए रविवार को ग्राम प्रधान मानकी जगदीश प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में रेलाडीह में ग्राम सभा आयोजित की गयी। बैठक में सर्व सम्मति से पूर्व की भांति बाईपास पथ का विरोध जारी रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही भू-अर्जन के नोटिस का जवाब 60 दिन के अंदर देने का भी निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने सर्व सम्मति से कहा कि जान देंगे, पर जमीन किसी भी कीमत पर नहीं देंगे। ग्राम सभा में खूंटकट्टी क्षेत्र में बगैर ग्राम सभा के अनुमति से भू अर्जन की प्रक्रिया जारी करने के विरुद्ध जनहित याचिका हाई कोर्ट में दायर करने का निर्णय लिया गया। ग्रामसभा में पूर्व में गठित शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति का विस्तार किया गया।शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति सिद्धार्थ मुंडा, मुखिया दिवाकर मुंडा, नीलमोहन मुंडा, सोहराई मुंडा, सदानंद महतो, जीवलाल मुंडा, वरुण मुंडा, घासीराम मुंडा, दुर्गा प्रसाद मुंडा आदि उपस्थित हुए।

पिपरवार के बचरा पंचवटी में हुई छोटे वाहन चालकों की बैठक, न्यूनतम मजदूरी पर हुई चर्चा

मांगें पूरी नहीं होने पर पांच को होगा धरना-प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा पंचवटी सभागार में स्थानीय छोटे वाहन चालकों की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जनता मजदूर संघ के जोनल सचिव प्रताप यादव ने किया। बैठक में स्थानीय छोटे वाहन चालकों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी, साथ ही वाहन चालकों को न्यूनतम मजदूरी भुगतान करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय वाहन चालकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करने, भीटीसी, सीएमपीएफ और पेंशन की सुविधा देने, वाहन चालकों को ड्रेस कोड व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहन चालकों को मेडिकल सुविधा एवं हाजिरी बनाने की मांग की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए वाहन चालकों ने कहा कि स्थानीय सीसीएल प्रबंधन को वाहन चालक के द्वारा ज्ञापन दिया जा चुका है। प्रबंधन और वाहन चालकों के बीच 28 जुलाई को वार्ता रखी गयी है, यदि वार्ता में वाहन चालकों की मांगों को पूरा नहीं किया जाता है, तो पांच अगस्त को वाहन चालक के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जायेगा। वाहन चालकों ने बताया कि वर्तमान में कम मजदुरी मिलने के कारण महंगाई के इस दौर में वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। वाहन चालकों ने 22 हजार रुपये वेतन भुगतान की मांग की है। बैठक में मुख्य रूप से प्रताप यादव, बबलू राम,पीपी बरियार, किशुन महतो, मुकेश महतो, विकी कुमार, सोनू लोहार, बबलू कुमार सोनी, सुनील कुमार, अशोक कुमार महतो, मोहम्मद रिंकू, कीर्तन गोप, निखिल कुमार, हरि राय, नागेश्वर महतो, अमित कुमार, प्रवीण कुमार गुप्ता, अशोक प्रजापति, अशोक सोनी, सोनू अंसारी, गुड्डू शर्मा, बासुदेव महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

जेपीएससी में सफल रूपम सोनाली को विद्यार्थी परिषद ने किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड लोक सेवा आयोग की 11वीं और 13वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही 268वीं रैंक प्राप्त कर खूंटी जिला का नाम रौशन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने रविवार को सम्मानित किया। मात्र 22 वर्ष की आयु में सोनाली ने यह उपलब्धि हासिल की। रूपम सोनाली आज पूरे युवा वर्ग, विशेष कर ग्रामीण और आदिवासी बेटियों के लिए प्रेरणा का श्रोत बन गयी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खूंटी इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोनाली के आवास पर पहुंचकर उनकी दीदी को अंग वस्त्र और उन्हें पुष्प गुच्छ और सम्मान- पत्र भेंट किया और शुभकामनाएं दी। संगठन ने रूपम की मेहनत, संघर्ष और संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सामाजिक बदलाव की दिशा में एक मजबूत संकेत है। प्रतिनिधिमंडल में उपस्थित विभाग संयोजक प्रकाश टूटी ने उन्हें सम्मान-पत्र सौंपते हुए कहा कि रूपम सोनाली की सफलता यह साबित करती है कि जब संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी परिस्थिति रास्ता नहीं रोक सकती।

संघर्ष की कहानी सुन भावुक हुए लोग : सम्मान समारोह के दौरान रूपम सोनाली ने अपने संघर्ष की यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे सीमित संसाधनों, पारिवारिक चुनौतियों और सामाजिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और दिन-रात मेहनत करती रहीं। उन्होंने कहा, जब मन में कुछ करने की आग हो, तो कोई भी गरीबी या परिस्थिति आपको नहीं रोक सकती। यह सफलता सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि मेरे माता-पिता, शिक्षकों और उस हर व्यक्ति की है, जिसने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी। रूपम ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि लड़कियों को पढ़ाई के क्षेत्र में आगे लाने की जरूरत है और समाज को उनके संघर्ष को समझते हुए उन्हें समर्थन देना चाहिए।

नीमडीह के संजय को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसवां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत नीमडीह प्रखंड के तिल्ला गांव स्थित रेरेगटाड़ टोला निवासी संजय सिंह सरदार ने जेपीएससी में 320वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। संजय सिंह सरदार की सफलता से उनके परिवार और समाज में खुशी की लहर है। उनके परिवार ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सामाजिक अगुवाओं ने उनके पैतृक आवास पहुंच कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर समाजसेवी सुधीर किस्कू, मुखिया मनोहर सरदार, दीनबंधु महतो, सुदामा हेंब्रम, जगदीश सरदार, कुंज बिहारी गोप और रुपेश टुडू ने संजय सिंह सरदार उपस्थित थे।

पालना डैम में डूबने से युवक की मौत

ईचागढ़(आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के चौका थाना अंतर्गत पालना डैम में डूबने से एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान रांची हिंदपिड़ी के 27 वर्षीय विशाल तिर्की के रूप में की गयी है। घटना रविवार शाम 4 बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार विशाल तिर्की अपने आठ दोस्तों के साथ मिलकर पालना डैम घुमने आये थे और गहरे पानी में जाने से वो डूब गये, जिससे मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही चौका थाना पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है।

झुंड से बिछड़े हाथी ने जम कर मचाया उत्पात, कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र के सीरूम एवं बड़ा लापांग गांव में झुंड से बीछड़े एक हाथी ने शनिवार कि आधी रात को जमकर उत्पात मचाया। झुंड से बीछड़े हाथी ने ग्रामीणों का जीना मुश्किल कर दिया है। आये दिन क्षेत्र के विभिन्न गांवों में घुसकर घरों और सब्जी खेती को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं हाथी ने सीरूम गांव के चित्तरंजन हालदार का घर एवं आटा चक्की मशीन को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी ने अमित मुखर्जी, शंकर महतो, विनय दत्ता का घर को क्षतिग्रस्त कर दिया एवं घर में रखे चावल आदि को अपना निवाला बनाया। हाथी ने कृष्ण प्रामाणिक का सब्जी मंडी का सब्जी को भी चट कर गया। कई घरों के दरवाजे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। बड़ा लापांग के चित्तरंजन महतो का घर को भी पुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र से हाथी को भगाने एवं जल्द से जल्द मुआवजा देने का मांग किया है। भुक्तभोगियों ने कहा कि वर्षांत का दिन है, जिससे क्षतिग्रस्त घर में रहना खतरे को दावत देना है। इसलिए वन विभाग जल्द से जल्द मुआवजा दे, ताकि रहने लायक क्षतिग्रस्त घरों का समय पर मरम्मती कराया जा सके।

पांच दिनों से बिजली आपूर्ति की लचर व्यवस्था से परेशान हैं सोनाहातू पूर्वी क्षेत्र के ग्रामीण

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र में पांच दिनों से बिजली आपूर्ति की लचर व्यवस्था से पूर्वी क्षेत्र के सभी गांवों के उपभोक्ता काफी परेशान है। कभी-कभी बिजली दिन में एक-दो घंटे के लिए आती है। लोड सीडिंग के बहाने पांच पांच घंटे बिजली गुल रहती है। बिजली नहीं होने के कारण बच्चों के पढ़ाई लिखाई में काफी दिक्कत हो रही है।जामुदाग फीडर से पूरे पूर्वी क्षेत्र बिजली आपूर्ति होती है। जाड़ेया गांव तक बिजली चालू रहता है, लेकिन जाड़ेया गांव के बाद पूर्वी क्षेत्र के आखिरी छोर गाड़ाडीह गांव तक पूरा अंधकार रहता है। बिजली कर्मियों से पूछताछ करने पर कहा जाता है की फॉल्ड है। जिसके कारण बिजली काट दिया गया है। ग्रामीणों ने विभाग से सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति करने की मांग किया है। सोनाहातू पूर्वी के इन गांवों में पांच दिनों से हो रही है परेशानी - बिरडीडीह, सालसुद, डिबाडीह, जिंतूडीह, बनडीह, पांडुडीह, देवानसारना, बारेंदा, कल्याणटांड़, मारांगकिरी, चरकुडीह, उलीडीह, पड़रियाडीह, दुलमी, बोंगादार, मानकीडीह, गाडाडीह, टांगटांग आदि गांव है।

बाबा नगरी काशी विश्वनाथ के लिए शिव भक्त रवाना

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। बाजारटांड़ के शिव भक्तों का एक जत्था रविवार को बाबा नगरी काशी विश्वनाथ के लिए रवाना हुआ। सभी भक्त पवित्र गंगा जल भर कर कांवड़ के साथ काशी विश्वनाथ स्थित मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। रवाना होने से पूर्व सोनाहातू बाजार चौक पर श्रद्धालुओं को झंडा दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर चारों ओर जय भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और भक्तिभाव देखने को मिला। जत्थे में सुभाष महतो, बप्पी दत्ता, अजय स्वर्णकार, रोहित प्रजापति, बिट्टू कुमार, संदीप स्वर्णकार, डब्लू गुप्ता, सावन सोनी, दिनेश कुमार महतो, जितेंद्र सोनार, रणवीर, अभिजीत, सनातन, जोगेश्वर, धनीराम, संदीप, सुबोध, प्रीत आदि शामिल हैं।

नाई समाज विकास समिति की बैठक

बुंडू (आजाद सिपाही)। रविवार को डामारी मोड बुंडू में नाई समाज विकास समिति द्वारा एक आम बैठक हुई, इस बैठक की अध्यक्षता हराधन प्रमाणिक के द्वारा की गयी, जिसमें 2025 में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को नाई समाज के द्वारा सम्मानित करना। नाई समाज विकास समिति का उक्त तिथि में ही कमेटी पुनर्गठन करना। उत्कृष्ट नाई समाज के विद्यार्थियों को सम्मान करने हेतु कोर कमेटी का गठन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि उक्त सम्मान आगामी दिनांक 30 अगस्त को किया जाएगा इस बैठक में भुवनेश्वर प्रमाणिक, ठाकुर जीतमोहन प्रमाणिक, गणेश प्रमाणिक अजीत प्रमाणिक, शैलेश प्रमाणिक, कुलेश्वर प्रमाणिक, विनय प्रमाणिक, सुधीर प्रमाणिक, दीपक प्रमाणिक शामिल हुए।

हिंडाल्को मुरी ने मेगा रक्तदान शिविर का किया आयोजन

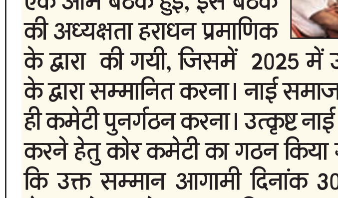

मुरी (आजाद सिपाही)। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड मूरी वर्क्स के ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर द्वारा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (क्म्ऋर) के सहयोग से एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में आस-पास के क्षेत्रों से कुल 92 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कियाइस अवसर पर डॉ. शंभु प्रसाद सिंह, सत्येंद्र कुमार, डॉ. बीके रॉय, डॉ नरेश प्रसाद यादव, महेश सिंह एवं हीरालाल चौधरी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने हिंडाल्को-मूरी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सौरव घोष द्वारा वर्षों से किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. घोष को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अरूण राय गौरीशंकर द्वारा किया गया।

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन रीजनल कमेटी की बैठक

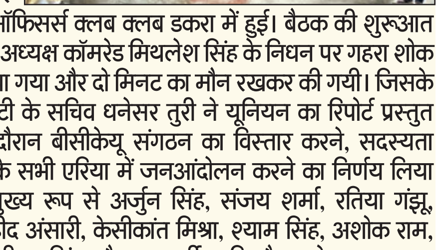

खलारी (आजाद सिपाही)। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) का रीजनल कमेटी की बैठक बसंत कुमार की अध्यक्षता में ऑफिसर्स क्लब क्लब डकरा में हुई। बैठक की शुरूआत यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष कॉमरेड मिथलेश सिंह के निधन पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रखकर की गयी। जिसके बाद रिजनल कमेटी के सचिव धनेसर तुरी ने यूनियन का रिपोर्ट प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान बीसीकेयू संगठन का विस्तार करने, सदस्यता बढ़ाने, सीसीएल के सभी एरिया में जनआंदोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से अर्जुन सिंह, संजय शर्मा, रतिया गंझू, इरफान खान, तौहीद अंसारी, केसीकांत मिश्रा, श्याम सिंह, अशोक राम, फारूख नवाब, संजीवन सिंह, गौतम बनर्जी आदि मौजूद थे।

प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र, रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत 22 से 26 जुलाई तक कृषि सखियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रांची जिला उद्यान पदाधिकारी के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसमें रांची जिले के आछ प्रखंडों से चयनित 30 महिला कृषक सखियों ने भाग लिया। इस दौरान सखियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर प्रत्येक छह किसानों को प्रशिक्षित करने की जिम्मेवारी सौंपी गई। इसके माध्यम से कुल 1875 किसानों तक प्राकृतिक खेती का संदेश एवं प्रशिक्षण पहुंचाया जा सकेगा। यह प्रशिक्षण 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 125 किसानों के खेतों पर प्रदर्शनों के माध्यम से किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जैविक खेती प्राधिकरण, झारखण्ड (ओएफएजे) सह समिति निदेशक विकास कुमार थे। इसके अलावा डॉ अजीत कुमार सिंह (प्रधान, केवीके रांची), डॉ महेश राम (जिला उद्यान पदाधिकारी रांची) और कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज कुमार सिंह (वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान) मौजूद थे। कार्यक्रम में मणिमाला खलखो (टेक्नोलॉजी सुपरवाइजर) एवं शिबू बेदिया ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रतिभागियों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में रांची जिले के 15 क्लस्टरों को शामिल किया गया। जिसमें अनगड़ा में तीन, चान्हों में दो, मांडर में दो, लापुंग में दो, बड़गाई में दो, रातू में एक एवं कांके में एक क्लस्टर बनाया गया है। प्रत्येक क्लस्टर के लिए 2- 2 सीआरपी नियुक्त किए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत निर्माण, दसपर्णी, ब्रह्मास्त्र, अग्नास्त्र, नीमास्त्र आदि जैविक कीटनाशक, मिश्रित फसल प्रणाली एवं फसल चक्र में वाप्सा तथा मल्चिंग, प्राकृतिक कीट नियंत्रण तकनीक में जैविक खाद, हरी खाद एवं कम्पोस्ट निर्माण व प्राकृतिक खाद प्रबंधन में प्रमाणन एवं स्थानीय नवाचारों की जानकारी दी गई। प्रमुख प्रशिक्षक डॉ मनोज कुमार सिंह (कोर्स कोऑर्डिनेटर), डॉ अजीत कुमार सिंह, डॉ चंद्रशेखर सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, बीएयू कांके), डॉ राजेश कुमार, डॉ नेहा राजन, डॉ सुदर्शन विश्वास (सहायक प्रोफेसर, फ्ळ्टश्फ्क्र), डॉ रविन्द्र कुमार सिंह, डॉ विशाखा सिंह, ओपी शर्मा एवं दीपक पाहन थे।

11 अगस्त को आइआइएम का घेराव करने का निर्णय

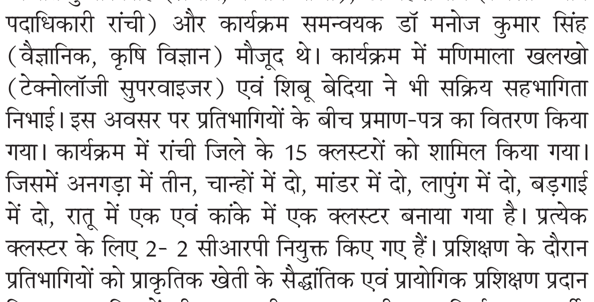

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। हटिया विस्थापित परिवार समिति की बैठक रविवार को कुटे में हुई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने की। इसमें सर्वसम्मति से विधानसभा घेराव कार्यक्रम को स्थगित करने की चर्चा की गयी। क्योंकि विधानसभा अध्यक्ष से समिति की वार्ता हुई, जो साकारात्मक हुई है। ऐसी स्थिति में घेराव करना उचित नहीं होगा। बैठक में 11 अगस्त को आइआइएम संस्थान का घेराव करने का निर्णय लिया गया। अपने संबोधन में पंकज शाहदेव ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो से हुई बातों को विस्तार पूर्वक रखा। लोगों से आग्रह किया कि इसी प्रकार की एकजुटता आप लोग बनाए रखिए। आज ना कल हमलोगों को अपना अधिकार हर हाल में सरकार को देना पड़ेगा। वहीं, समिति के महासचिव सह झामुमो नेता कलाम आजाद ने कहा कि सरकार विस्थापितों की समस्याओं के प्रति गंभीर है। आने वाले समय में विस्थापित को उनका हक जरूर मिलेगा। वहीं, सचिव महावीर मुंडा ने कहा कि सभी लोग तन-मन धन से घेराव में साथ दीजिए। आइआइएम प्रबंधन को झुकना पड़ेगा और वहां रोजगार देना पड़ेगा। इस मौके पर विनय उरांव, फिरोज अंसारी, तरुण शाहदेव, विजय सिंह, मनोज बैठा, सोमारी मुंडा, पारस शाहदेव, जयप्रकाश साहू, अजित शाहदेव, रामेश्वर महतो, महावीर नायक, बाहा उरांव, अर्जुन महतो, दिनेश लाल गुप्ता, रामेश्वर सिंह, राहुल बैठा, सुभाष महली, ध्रुव सिंह, राजेश मुंडा, अमरोज अंसारी, शंकर लोहार, जौहर अंसारी, पवन लोहार, संदीप लोहार, राजेश बैठा, मोनू बैठा, सूरज मुंडा, तनवीर आलम, रवि लोहार, विशाल गुप्ता, हबीबुल अंसारी, जय नारायण सिंह, राजेश गाड़ी आदि उपस्थित थे।

श्राद्धकर्म सह ब्राह्मण भोज में शामिल हुए अशोक मुंडा

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के हुवंगहातु गांव की रहने वाली भाजपा महिला कार्यकर्ता अरुणा देवी का कुछ दिन पहले ही निधन हो गया था। उनके श्राद्धकर्म में कई लोग शामिल हुए। इस दौरान भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, पूर्व सांसद प्रतिनिधि शंकर सिंह मुंडा, समीर राय, जितन देवी, शशिकांत मुंडा, हरेंद्र मुंडा, राजकुमार मुंडा, सुनील केरकेट्टा, अनमोल लकड़ा, राकेश मुंडा, बाहा मुंडा, शिवनारायण आदि शामिल हुए। उपस्थित सभी लोगों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत अरुणा देवी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। बतातें चलें कि अरुणा देवी लंबे अरसे से भाजपा से जुड़ी थी। कुछ वर्ष पहले उन्हें कैंसर की शिकायत हुई। जिसके बाद उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। अरुणा देवी ने 16 को अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

बेड़ो में कच्चे मकानों के गिरने से दर्जनों लोग बेघर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले एक महीने से हो रही लगातार बारिश से नेहालु, खुखरा और पांडेपारा में कई कच्चे मकान गिर गये, जिससे दर्जनों लोग बेघर हो गए हैं। नेहालु में केनाभीठा, सरनाटोली में दुलारी देवी और नेहालु अम्बाटोली में दुलारी देवी एवं खुखरा में महेश्वर ठाकुर, पिंटू गोप, विनोद साहू, भरत साहू, रोहित साहू, विनोद उरांव पांडेपारा में झालो देवी, महेश उरांव एवं मंगरा उरांव का कच्चा मकान बारिश में गिर गया। इन लोगों ने किसी तरह घर से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई। लेकिन घर में रखे चावल गेहूं, धान सहित अन्य खाध्य सामग्री और घरेलू बर्तन बर्बाद हो गए। उधर, जल स्तर बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवागमन पर असर पड़ा है। लगातार वर्षा के कारण खेतों में सब्जी की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। गरीबों के घरों के गिरने से गांव के गरीब किसानों को दोहरी मार सहनी पड़ रही है। वर्षा के कारण बेघर हुए प्रभावित परिवार प्रखंड प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। इधर, घर गिरने की सूचना पाकर मुखिया वीरेंद्र भगत और जतरु उरांव ने गांव के पीड़ित परिवार के लोगों से मुलाकात की। साथ ही प्रखंड प्रशासन से आपदा प्रबंधन के तहत उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

झारोटेप के शिक्षकों ने विभिन्न मांगों को लेकर कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपा

सरकार मांगों पर संवेदना के साथ विचार करेगी : शिल्पी

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी/नामकुम। झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स और एंप्लॉय फेडरेशन (झारोटेप) रांची जिला इकाई के शिक्षकों ने राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से धूर्वा स्थित आवास पर जाकर मुलाकात की। इस दौरान शिक्षकों के लिए एमएसीपी, सभी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष एवं केंद्रीय कर्मचारियों की तरह शिशु शिक्षण भत्ता देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस पर मंत्री ने मांगों को गंभीरता से सुना। आश्वासन दिया कि मांगों को सरकार संवेदना के साथ जरूर विचार करेगी। बताते चलें कि संगठन की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टियों के सभी विधायक और मंत्री को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री से मिलकर मांगों को रखा। इस मौके पर झारोटेफ के प्रांतीय संयोजक आनंद किशोर साहू, संगठन सचिव सुनील नायक, जोनल समन्वयक मिथिलेश कुमार सहाय, रांची जिला अध्यक्ष मोहम्मद क्यामुद्दीन खान, रांची जिला सचिव धनंजय सिंह, तपेश्वर महतो, रांची जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनीषा एक्का, सचिव प्रियंका माथुर, मीडिया प्रभारी सतीश बड़ाईक, जिला उपाध्यक्ष इमामुलहक, विनोद कुमार, पंचित बेदिया, जीवरा उरांव, शंकर लकड़ा, असीबा श्रद्धा हेरेंज, ज्ञान चंद्र साहू, सुनील सिंह, लाल रंजीत नाथ शाहदेव, कुमार भागीरथ सिंह युगेश ओझा, आशीष कुमार, कुमारी मीनाक्षी, सुमेधा, मनीला धवन आदि शामिल थे। इसकी जानकारी झारोटेप के रांची जिला मीडिया प्रभारी सतीश बड़ाईक ने दी।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को ज्ञापन सौंपते झारोटेप के सदस्य।

स्थानीय मुद्दों एवं संवैधानिक अधिकारों की मांगों को लेकर चार अगस्त को विस घेराव : एस अली

चान्हो (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा घेराव को लेकर रविवार को चान्हो प्रखंड के टांगर पंचायत सचिवालय में आमया संगठन की राउंड टेबल मीटिंग हुई। जिसमें आमया के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के लिए शहादत देने वाले लोगों का सपना अबतक पूरा नहीं हुआ। राज्य में स्थानीय नीति नहीं बनी, पिछड़ी जातियों को दरकिनार कर आबादी के अनुपात में आरक्षण से वंचित किया गया, झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समुदाय संवैधानिक अधिकारों और न्याय से वंचित है। मॉबलीचिंग जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही है। झारखंड के हज यात्री को कोलकाता एयरपोर्ट से जेद्दा जाने के लिए विवश किया गया। जबकि पूर्व में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची से हाजी जाते थे। उर्दू एकेडमी गठन की फाइल धूल फांक रही है। बिहार सरकार से मिले उर्दू शिक्षक के पद पर बहाली करने के बजाए नियमविरुद्ध तरीके सरेंडर कर दिया गया। मीटिंग की अध्यक्षता समाजसेवी एनामुल अंसारी ने किया। इसमें रहमतुल्लाह अंसारी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, हाफिज अब्दुल इरशाद इमाम अजीज जावेद अख्तर, जियाउल रहमान, रिजवान अंसारी, हारिश आलम कलाम अंसारी, इस्माइल अंसारी, क्यूम अंसारी, हुसैन अंसारी, शाहबाज आलम, अनीसुर रहमान, कलीमुल्लाह अंसारी, सलमान अंसारी, सुहैल अंसारी, साजिद अंसारी, नूर मोहम्मद, रमजान अंसारी, जलालुद्दीन अंसारी, नासिर अंसारी, रोजन अंसारी रेयासत अंसारी और अब्बास अंसारी आदि थे।

डीएवी विवेकानंद बना ओवरऑल चैंपियन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया खेल महोत्सव का रविवार को समापन हो गया। इसमें झारखंड के 17 जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अंशु सरकार चीफ पेट्रोन पीईएफआई झारखंड ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वहीं, दूसरे दिन के मुकाबलों में फुटबॉल और क्रिकेट में डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इस अवसर पर ड्रॉप बॉल का एक प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया गया। वहीं, प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो ने अपने नाम किया। वहीं रामगढ़ की टीम दूसरे स्थान पर रही। जबकि लातेहार की टीम ने तीसरा स्थान ह पर रही ।ओवरऑल चैंपियन बनने पर डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की टीम को विशेष ट्रॉफी से नवाजा गया। प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने सभी प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

लतरातू डैम में बंदूक का भय दिखाकर बाइक लूट

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर बंदूक दिखाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया अंजाम। जानकारी के मुताबिक इटकी प्रखंड के मोरो गांव निवासी नवविवाहित युवक अपनी पत्नी के साथ लतरातू डैम घूमने आया था। डैम घूमकर वापस साईं मंदिर की ओर जा रहे थे, तभी डैम पिंड पर तीन युवकों ने उनको रोक लिया और बंदूक का भय दिखाकर उनकी बाइक लूट ली। इसके बाद दरांदा मोड में जटुआ उरांव के घर के पीछे बाइक को लॉककर फरार हो गए। इसकी खबर मिलते ही तुरंत लापुंग थाना प्रभारी अभिषेक कुमार को सूचना दी गयी। खबर पाकर थाना प्रभारी दरांदा मोड़ पहुंचे और बाइक बरामद कर मालिक को सौंप दिया। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि सर्च अभियान जारी है। जल्द ही मामले का उद्भेदन किया जाएगा। बतातें चलें कि एक सप्ताह पहले ही नवाटोली निवासी पिंटू हजाम को सरसा मोड़ के करीब बंदूक का भय दिखाकर स्कूटी और मोबाइल फोन छीन लिया गया था। जिसका मामला थाना में दर्ज है।

रेलवे ट्रैक के किनारे से युवक का शव बरामद

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जोरार सिपाही नदी पुल के सामने स्थित रेलवे ट्रैक के पोल संख्या 413/9 के किनारे से रविवार की सुबह 40 वर्षीय एक युवक का शव बरामद हुआ। शव देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। उधर, सूचना पाकर पहुंची नामकुम और रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची के रिम्स अस्पताल भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी। बताते चले कि मृतक नग्न अवस्था में था। शव देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि युवक की कहीं और हत्या कर यहां लाकर फेंका गया है। उसके पूरे शरीर में चोट के निशान और सिर फटा हुआ था। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा।

बिजली की लचर व्यवस्था से ग्रामीण परेशान

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में अनियमित रूप से बिजली आपूर्ति होने से ग्रामीण बेहद परेशान हैं। बेड़ो में इन दिनों लगातार घंटों बिजली गायब रहती हैं। शनिवार की पूरी रात भी बिजली नहीं थी। ग्रामीणों का कहना है कि दिन में चार से पांच घंटा बिजली मिलती है। प्रखंड मुख्यालय में बिजली की लचर व्यवस्था के कारण ग्रामीण खासे परेशान है। पूरा प्रखंड क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। शाम में आधे-आधे घंटे पर बिजली आती जाती रहती है। देर शाम तक बिजली कटने से बेड़ो के व्यवसायियों को खासी परेशानी होती है। पेयजल एवं खाना बनाने में परेशानी झेलनी पड़ रहा है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए पर्पल फेयर का आयोजन

प्रशासन-समाज को मिल कर ऐसे प्रयासों को सतत जारी रखना चाहिए: पूर्णिमा साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय, केंद्रीय अधिकारिता मंत्रालय, समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र रांची और जिला प्रशासन एवं पूर्वी सिंहभूम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को झारखंड का प्रथम जिला स्तरीय पर्पल फेयर का आयोजन जमशेदपुर के सिद्धगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में संपन्न हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके हुनर के प्रदर्शन, रोजगार के अवसरों की जानकारी, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव और समाज में समावेशिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक पूर्णिमा साहू, जमशेदपुर पूर्वी सह राज्य दिव्यांगता सलाहकार बोर्ड सदस्या अभयनंदन अंबष्ट एवं राज्य निःशक्तता आयुक्त झारखंड सरकार की ओर से संयुक्त रूप से किया गया। दोनों अतिथियों ने दिव्यांगजनों की भागीदारी और उनकी क्षमताओं की प्रशंसा की और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर रांची सीआरसी, जिला प्रशासन, सबल टीएसएफ, सक्षम के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में 600 से अधिक लोग दर्शक के रूप में शामिल हुए, जिनमें दिव्यांगजन एवं उनके परिजन, स्कूलों के छात्र-छात्राएं, आंगनबाड़ी सेविकाएं, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम में दिव्यांगता से संबंधित लगभग 50 कलाकारों ने हिस्सा लिया। जिनमें शारीरिक रूप से अक्षम, दृष्टिबाधित, मूक-बधिर, बौद्धिक एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम से जुड़े प्रतिभागी शामिल थे। दिव्यांगजनों की ओर से निर्मित हस्तशिल्प और कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं की ओर से रोजगार, शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास से संबंधित जानकारी देने के लिए 12 स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में सीआरसी रांची के सहयोग से एडिप एवं वयोश्री योजना के तहत विधायक पूर्णिमा साहू, जमशेदपुर पूर्वी द्वारा सांकेतिक रूप से 28 दिव्यांगजन एवं वृद्ध लाभार्थियों को सहायक यंत्र वितरित किया गया। साथ ही सक्षम फाउंडेशन एवं ओएनजीसी के सहयोग से दृष्टिहीन दिव्यांगजनों को टॉर्च इट द्वारा निर्मित 38 सारथी स्मार्ट केन और 30 ज्योति एआई स्मार्ट ग्लास वितरित किया गया। इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि हमें गर्व है कि झारखंड का पहला पर्पल फेयर हमारे क्षेत्र में आयोजित हुआ। प्रशासन और समाज को मिलकर ऐसे प्रयासों को सतत रूप से जारी रखना चाहिए। अभयनंदन अंबष्ट ने कहा कि ऐसा आयोजन दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम है। कार्यक्रम में स्पेशल ओलंपिक भारत, झारखंड शाखा की ओर से चार दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक भारत के सतवीर सिंह सहोता ने पारा ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभवों को दर्शकों के साथ साझा किया। कहा कि आने वाले दिनों में सीआरसी रांची की यह योजना झारखंड के विभिन्न जिलों में भी पर्पल फेयर आयोजित किया जाये।

गुरुकुलद्रोणा एकेडमी के संस्थापक ने नगड़ी में भी शुरू किया अबेकस कोर्स

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी कटहल मोड स्थित गुरुकुलद्रोणा एकेडमी के संस्थापक ऊषा प्रसाद ने माइंड बूस्टर अबेकर का कोर्स नगड़ी में भी शुभारंभ कर दी है। इस कोर्स से बच्चों का ब्रेन उन्नत होता है। इस अवसर पर रविवार को टैलेंट हंट कंपटीशन का आयोजन नगड़ी में इआर रंजीत प्रसाद के इंस्टीट्यूट सबशीला में किया गया। जिसमें मेंटल मैथ्स, ड्राइंग और राइटिंग कंपटीशन में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आये विद्यार्थियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस असर पर नगड़ी की प्रखंड प्रमुख मधुआ कच्छप ने कहा कि उषा जी एवं रंजीत जी के माध्यम से बच्चों में टैलेंट को उभारने का जो शुभ कार्य कर रहे हैं वह सराहनीय है। इस मौके पर गुरुकुल द्रोणा स्कूल के शिक्षक इमरान, प्रीति, मीनू, शालिनी एवं दीकमांग आदि मौजूद रहे।

इटकी मंडी में सब्जियों की कीमतें आसमान पर

इटकी (आजाद सिपाही)। सब्जी मंडी में इन दिनों सब्जियों की कीमतें असमान छू रही है। जो सब्जी 15 दिन पहले 15 से 25 रुपया प्रति किलो मिल रही थी। उन सब्जियों की कीमतों में 20 से 150 रुपये तक की वृद्धि हो चुकी है। सब्जियों के बढ़ते दाम से आमजन से लेकर सब्जी उत्पादक किसानों की थाली से भी कई सब्जियां गायब हो गई है। खाशकर शिमला मिर्च और धनिया पत्ता, फ्रेंचविन की दाम हाई लेवल पर पहुंच गया है। मंडी में धनिया पत्ता 400 रुपये, जबकि सिमला 200 रुपया प्रति किलों बिक रहे। वहीं फ्रेंचविन 160 रुपये किलो बिका। व्यापारियों का कहना बारिश से पहले मंडी में सब्जियों की आवक काफी अच्छा थी। प्रति दिन मंडी से चार से छह ट्रक दूसरे राज्यों के मंडी में निर्यात की जाती थी। लेकिन इन दिनों सब्जी की आयात में भारी गिरावट आई है। मंडी में एक ट्रक सब्जी निर्यात करना मुसकिल हो गया है। रविवार को इटकी के मंडी में सिमला 200, धनिया पत्ता 400, फुलगोभी 60, भिंडी 50, नेनुआ 70, फ्रेंचबीन 160, बैगन 60, करैला 60, टमाटर 40, अदरख 140, पत्तागोभी 40, हरी मिर्च 60, कद्दू 50, बोदी 60, मुल्ली 40, खिरा 40, टोटी 50, परवल 40, पालक 60, झिंगी 50, कुन्दरी 40 और लहसून 100 से 120 रुपये प्रति किलो बिके। किसानों ने बताया कि समय के पूर्व भारी बारिश के कारण खेतों में ही सब्जी एकड़ के एकड़ हो गयी है। जिससे किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है।

हाजी एहसान अंसारी मेमोरियल छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल हुए 312 छात्र-छात्राएं

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ईरबा स्थित फ्लोरेंस एवं जेए रॉयल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स में हाजी एहसान अंसारी एजूकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से छात्रवृत्ति योजना के तहत नामांकन के लिए 312 छात्रों ने भाग लिया। जिसमें बीएमएलटी, डीएमएलटी, ओटी, ईसीजी, ओफ्थाल्मिक, क्रिटिकल केयर (आई सी यू), रेडियो इमेजिंग, एनेस्थीसिया एवं ड्रेसर के पाठ्यक्रम तथा फामेर्सी के बी फार्मा एवं डी फार्मा के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस छात्रवृत्ति योजना में सफल छात्रों को संस्थान की ओर से छात्रवृत्ति देकर पारामेडिकल एवं फार्मेसी की पढाई करवायी जायेगी। छात्रवृत्ति परीक्षा को सफल बनाने में संस्थान के सचिव जीनत कौशर, डॉ शाहीन कौशर, डॉ नजनीन कौशर, डॉ मनोज, आशुतोष, शकील परवेज, कलाम, पवन, शादिक अंसारी, मंजर, रचना कुमारी, मजहर, प्रफुल्लित, गुलाम मुस्तफा, सत्यजीत मोहंती, मुस्कान,शबाना आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रांची जिला रौनियार वैश्य सभा ने पहाड़ी मंदिर में किया भंडारे का आयोजन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। रांची जिला एवं समस्त इकाइयों के सहयोग से रौनियार वैश्य समाज की ओर से महा भंडारे का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय रौनियार वैश्य सभा उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार गुप्ता के सहयोग से पहाड़ी मंदिर सेवा शिविर में भक्त जनों के बीच पूड़ी हलवा प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। महा भंडारा का प्रसाद भगवान भोलेनाथ एवं पहाड़ी मंदिर स्थित मंदिरों में जलाभिषेक कर भोग लगाने के बाद वितरित किया गया। इसमें अखिल भारतीय रौनियार वैश्य सभा के सहायक मंत्री अजय कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। मौके पर जिला अध्यक्ष शंभू प्रसाद गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, सुरेश प्रसाद गुप्ता, विनय कुमार गुप्ता, अनूप कुमार लाल, मनीष प्रसाद गुप्ता, बिहारी लाल गुप्ता, नरेंद्र लाल गोपी, आर एन शाह, सुबोध कुमार गुप्ता, प्रकाश कुमार गुप्ता, जय किशोर गुप्ता, शिवपूजन साहू, संतोष कुमार साहू हरमू, अशोक साहू, मदन कुमार गुप्ता, राघवेंद्र कुमार गुप्ता, आदित्य कुमार साहू आदि का सराहनीय योगदान रहा।

जेएलकेएम के केंद्रीय सचिव बने जलेश्वर उर्फ मार्शल महतो, लोगों ने दी बधाई

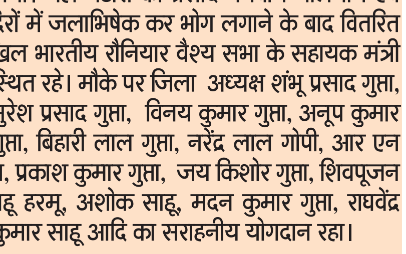

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर जलेश्वर उर्फ मार्शल महतो को ओरमांझी और अनगड़ा की टीम ने बधाई दी। इसमें केंद्रीय संगठन सचिव सरवन महतो, ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष रामसेवक महतो, राम महतो, मोर्चा अध्यक्ष उदित मुंडा, जिला सचिव गजेंद्र महतो, अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष सुधांशु महतो, अंगद महतो, सचिव मंटू महतो, राजकुमार मुंडा, भारत खरवार और कमलेश महतो आदि शामिल थे।

नये ट्रांसफॉर्मर का भाजपा नेता ने किया उद्घाटन

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के हुरहुरी पंचायत अंतर्गत अली नगर में रविवार को 63 केबीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा रांची जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष इमरान खान ने इसका उद्घाटन किया। बतातें चलें कि नया बस्ती अली नगर मोहल्ला बनने के बाद लोगों को बिजली के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नया पोल,तार व ट्रांसफॉर्मर लगने से लोगो ने राहत की सांस ली। बिजली नहीं होने की सूचना ग्रामीणों ने हटिया विधायक नवीन जयसवाल को दिया इस पर इमरान खान ने इसकी जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी थी।

बसिया इलाके की तस्वीर बदल दी है ओमप्रकाश साहू ने

बसिया के जिस इलाके में लोग दिन के उजाले में भी जाने से डरते थे, आज विकास की रोशनी से जगमगा रहा है

आफताब अंजुम

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में रविवार को जिस ओमप्रकाश साहू की तारीफों के पुल बांधे, वह बसिया प्रखंड के ऐसे क्षेत्र से आते हैं, जहां कभी नक्सलियों और उग्रवादियों की वजह से लोग दिन के उजाले में भी जाने से डरते थे। आज उस क्षेत्र में मत्स्य पालन ने ग्रामीणों की तस्वीर बदल दी है।

20 तालाबों का हुआ निर्माण

यह संभव हो पाया है केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से। ओमप्रकाश साहू ने ग्रामीणों के साथ मिल कर इस योजना के माध्यम से एक ही स्थान पर 20 तालाबों का निर्माण कराया। स्थानीय ग्रामीण संगठित रूप से इन तालाबों में मत्स्य पालन कर रहे हैं।

माओवादियों और पीएलएफआइ में थी वर्चस्व की जंग

आज से एक दशक पूर्व इस क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) एवं उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ वर्चस्व के लिए जमींदारों और आम नागरिकों को बेवजह जान से मार डालते थे। ग्रामीण बताते हैं कि स्थिति ऐसी थी कि लोग रात के अंधेरे की बात तो दूर, दिन के उजाले में भी अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

पीएलएफआइ से मुकाबले के लिए उठायी थी बंदूक

वर्ष 2007-08 में बसिया-कामडारा में पीएलएफआइ का आतंक सिर चढ़ कर बोल रहा था। इलाके के युवा नक्सलियों के संपर्क में आ रहे थे और संगठन में शामिल होकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। ओमप्रकाश साहू तत्कालीन डीसी आराधना पटनायक के संपर्क में आये और नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार हुए। उपायुक्त की मदद से स्थानीय लोगों द्वारा बनायी गयी शांति सेना को बंदूक दिलायी गयी। इसी शांति सेना में ओमप्रकाश भी शामिल हुए।

नक्सलवाद खत्म होने के बाद सामने आयी रोजगार की समस्या

परिस्थितियां बदलीं। लोगों ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ बिगुल फूंका और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। स्थिति सामान्य होने के बाद यहां के लोगों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या थी, रोजगार पाने की।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने बदली तस्वीर

ग्रामीणों का सबसे बड़ा सहारा भारत सरकार की ओर से मछली पालन के क्षेत्र में विकास के लिए शुरू की गयी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना बनी। इस योजना से जुड़ कर ओमप्रकाश साहू ने ग्रामीणों के सहयोग से मछली उत्पादन शुरू कर अपनी आय में वृद्धि की है।

धान की खेती से अधिक मछली से हो रही है कमाई

ओमप्रकाश साहू बताते हैं कि जितनी आय धान की खेती से नहीं होती, उससे कहीं अधिक मत्स्य पालन कर कमाई हो जाती है। उन्होंने बताया कि जिनके पास खुद का तालाब था, वे तो खेती कर ही रहे थे, जिनके पास तालाब नहीं था, वे सरकारी तालाबों को लीज पर लेकर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मत्स्य पालन कर रहे हैं।

रोजगार के लिए अब पलायन नहीं करते लोग

उन्होंने बताया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए बिना किसी भेदभाव के सामूहिक रूप से मिलकर मछली पालन के माध्यम से रोजगार का एक नया जरिया खोला है। ओमप्रकाश साहू ने बताया कि अब जब नक्सलवाद का दौर खत्म हो चुका है, तो लोगों को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ रहा है।

मजदूरों को गांव में ही मिल गया है रोजगार

प्रदेश के किसी इलाके में मुश्किल से रोजगार मिल भी जाता था, तो जितनी आय नहीं होती थी, उससे अधिक खर्च हो जाता था। अब मजदूरों को पलायन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब गांव में ही उन्हें रोजगार मिल गया है। ओमप्रकाश बताते हैं कि इलाके में अब लोग खुशहाल हो रहे हैं और मछली पालन से उन्हें अच्छी आय हो रही है।

लायंस क्लब ऑफ गुमला ने स्कूली बच्चों के बीच किया छतरी का वितरण

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गुमला ने स्कूली बच्चों के बीच छतरी का वितरण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बारिश के दिनों में भीगने से बचाना और उन्हें स्वस्थ रखना था, ताकि वे अपनी पढ़ाई में ध्यान लगा सकें। लायंस क्लब गुमला ने 25 स्कूली बच्चों के बीच छतरी का वितरण किया। लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन मुरली मनोहर प्रसाद ने कहा कि लायंस क्लब सामाजिक स्तर पर सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की मदद करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने सभी समाजसेवियों से अपील की है कि वे बरसात के दिनों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को छतरी उपलब्ध कराने में अपना सहयोग दें। मौके पर रीजन चेयरपर्सन लायन अशोक कुमार जायसवाल, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन शंकर लाल जाजोदिया, पूर्व अध्यक्ष लायन महेश प्रसाद गुप्ता, लायन मनमोहन लाल केसरी, लायन बनवारी लाल अग्रवाल, लायन अशोक आनंद लायन शिव कुमार लाल, लायंस क्लब आदि मौजूद थे।

हमारा उद्देश्य मानवीय संवेदनाओं को जीवंत बनाये रखना है : शिशिर गुप्ता

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब गुमला फैमिली द्वारा 27 जुलाई को गुमला नगर क्षेत्र में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के बीच छतरी वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। बरसात के मौसम को देखते हुए, सड़क किनारे रह रहे, दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी-पटरी व्यवसायी और वृद्धजनों को इस मौसम की मार से बचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एक सामाजिक जिम्मेदारी के तहत किया गया, जिससे उन लोगों को राहत मिल सके जिनके पास वर्षा से बचाव के पर्याप्त साधन नहीं हैं। कार्यक्रम में लायंस क्लब गुमला फैमिली के वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पुनीत अवसर पर लायंस क्लब गुमला फैमिली के चार्टर प्रेसिडेंट लायन शिशिर गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जीवंत बनाए रखना है। छतरी वितरण का यह छोटा प्रयास, उनके लिए एक बड़ी राहत है जो रोजगार की तलाश में या जीवनयापन के संघर्ष में मौसम की मार झेलते हैं। क्लब के सचिव लायन सुमित जाजोदिया ने बताया कि यह पहल ह्यमानव सेवा ही सच्ची सेवा की भावना से की गयी है। लायंस क्लब हमेशा समाज के कमजोर तबकों के उत्थान हेतु तत्पर रहा है और आगे भी ऐसे कार्य होते रहेंगे। लायन शिखा जाजोदिया ने विशेष रूप से महिलाओं एवं वृद्धजनों को प्राथमिकता देते हुए छतरियां वितरित कीं और कहा कि एक महिला के रूप में मुझे यह संतोष है कि यह पहल महिलाओं की सुरक्षा एवं सुविधा दोनों दृष्टिकोण से लाभकारी सिद्ध होगी। क्लब के उपाध्यक्ष लायन अरुण गोयल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभायी और इस कार्य को आगे भी जारी रखने की बात कही। इस दौरान डॉ. भास्कर शर्मा ने भी कार्यक्रम में भागीदारी निभायी और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इस प्रयास को जरूरी बताया।

देवाकी बाबाधाम में 24 घंटे का महारुद्राभिषेक संपन्न

घाघरा (आजाद सिपाही)। देवाकी बाबाधाम मंदिर परिसर में आयोजित 24 घंटे का महारुद्राभिषेक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरी निष्ठा और भावनात्मक उत्साह के साथ भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा, वेद मंत्रों का उच्चारण, रुद्रपाठ और विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने जल, दूध, दही, शहद, घी और बेलपत्र से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर पुण्य अर्जित किया। इसके बाद श्रृंगार पूजन की गयी। समापन के अवसर पर आरती पूजन कर प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। मंदिर समिति ने सभी भक्तों को सहयोग और अनुशासन के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता का संकल्प लिया। वही पुरोहित कल्याण बाबा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार करता है और समाज को एकजुट करने का अद्भुत माध्यम बनता है। रुद्राभिषेक से दुख, दरिद्रता, क्लेश मिटता है। भगवान भोलेनाथ का आशीष सब पर बना रहे यही मैं कामना करता हूं। वही इस रुद्राभिषेक पूजन कार्यक्रम को पुरोहित कल्याण बाबा, मधुकर दुबे, आदर्श दुबे, शिखर त्रिपाठी, हर्ष पांडे, अभिषेक शास्त्री, यश शुक्ला शास्त्री, राम इकबाल, लगन दुबे द्वारा पूर्ण करायी गयी। मौके पर समिति के कई सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रक से टकरायी बेकाबू बाइक, तीन की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। थाना मुख्यालय में भीषण सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसिया स्थित एक चाउमीन दुकान में काम करने वाला जीवन थापा, कामडारा थानांतर्गत गरई निवासी रामजीत महतो एवं बसिया निवासी छोटु गोप कोनबीर से ग्लेमर बाइक से बसिया लौट रहे थे इसी दरम्यान अनियंत्रित होकर बसिया मनोज साव के घर के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि मौके पर ही जीवन थापा और रामजीत महतो की मौत हो गयी। जबकि छोटू गोप गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल इलाज के लिए रेफरल अस्पताल बसिया लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी भी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेजने की तैयारी कर रही है। वही दूसरी ओर मृतक के परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है जबकि जीवन थापा के परिजन बसिया नही पहुंचे है।

प्रशिक्षण लेकर लौटे राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी दीपक कुमार का सैयद जुन्नू रैन ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। 7 जुलाई से 23 जुलाई तक भारतीय खेल प्राधिकरण के तरफ से पटियाला में आयोजित हैंडबॉल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे दीपक कुमार का स्पोर्ट्स अकादमी के संचालक सैयद जुन्नू रैन ने जोर शोर से स्वागत किया। स्पोर्ट्स अकादमी के संचालक सैयद जुन्नू रैन ने कहा हमारे गुमला जिला के लिए हैं डबॉल के क्षेत्र में यह उपाधि काफी लाभदायक होगी यहां के बच्चों को सही प्रशिक्षण मिलेगा जिससे वो गुमला जिला साथ ही झारखंड राज्य में हैंडबॉल के क्षेत्र में आगे बढ़ते नजर आयेंगे। नगर उपाध्यक्ष सह समाज सेवी कलीम अख्तर ने बधाई देते हुए कहा कि दिन ब दिन हैंडबॉल के क्षेत्र में गुमला के युवा आगे बढ़ रहे है। वहीं दीपक कुमार के यह उपाधि सोने पर सुहागा हो गया जो काफी लाभदायक साबित होगा इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उनको बधाई देता हूं। साथ ही हफीजुर रहमान जी ने कहा मै एक खेल प्रेमी होने के तहत इस उपाधि से मै बहुत खुश हूं यह बहुत गर्व की बात है क्योंकि यह जो प्रशिक्षण केंद्र है भारतीय खेल प्राधिकरण यह एक अपने में इतिहास है और ऊपर से दीपक कुमार को अ ग्रेड का उपाधि मिला जिससे काफी खुशी जाहिर करता हूं। वही डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के कक्षा 6 के छात्र अम्मार अली ने भी डीएवी क्लस्टर गेम में गोल्ड हासिल किया जिससे स्पोर्ट्स अकादमी ने उनका भी स्वागत किया साथ ही मिठाई खिला कर बधाई दिया। मौके पर अर्शद अली, समाज सेवी कल्लू, सरफराज खान, एजाज अली बधाई देने के लिए स्वागत करने के लिए उपस्थित थे। वही सीनियर खिलाड़ी में विक्रम राज, अरीब आब्दीन, संतोष, शशांक, हर्ष उपस्थित थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट में रेंगरी ने डुमरटोली को हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड के जर्मना पारिस मैदान ने 15 अगस्त को लेकर जोड़ा खस्सी फुटबॉल टूर्नामेंट उद्घाटन किया गया। उद्घाटन फा निरंजन एक्का के द्वारा बॉल किक कर किया। वही टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच रेंगारी बनाम डूमरटोली के बीच खेला गया जिसमे रेंगारी ने डुमरटोली को 1 गोल से पराजित किया। मौके पर फा निरंजन एक्का ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से गांव, पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर के युवा खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही खेल के माध्यम से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका भी मिलता है।वही खिलाड़ियों को समय की प्रतिबद्धता, अनुशासन ,और खेल भावना के साथ खेलने की आवश्यकता है। साथ ही फादर निरंजन एक्का ने सभी टीमों को शुभकामना देते हुए युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता को सकारात्मक दिशा देने की बात कही। मौके पर मुख रूप से अंकित टोप्पो, जीवन लकड़ा, अमित, अर्नेस्ट तिग्गा, संदीप तिग्गा, रोशन टोप्पो, रूडोल केरकेट्टा उपस्थित थे।

भारी बारिश से सड़क टूटी, बच्चे खेतों में उतर कर स्कूल जाने के लिए मजबूर

मदन साहु

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पंडरिया पंचायत अंतर्गत ग्राम लुल्हुवा के प्राथमिक विद्यालय जाने वाली सड़क दो दिन पहले भारी बारिश के कारण टूट गया जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है, बच्चों को खेतों में उतर कर विद्यालय जाना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पक्की सड़क बनवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है, पूर्व में भी यह जर्जर सड़क कई बार टूट चुका है। बावजूद इसके प्रशासन ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया है। बच्चे जान जोखिम में डालकर पानी से भरे खेतों को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं, न तो यहां कोई पुलिया

बनायी गयी है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है। स्थानीय निवासी नीरज कुमार अधिकारी, पोद्दार चन्द्र अधिकारी, ईश्वर अधिकारी, रामदास लोहरा, दुखन गोप , सधुआ खड़िया और अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

आज सिसई में लगेगा एसआइएस का भर्ती कैंप

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर में सोमवार को एसआइएस भर्ती कैंप लगाया जायेगा। यह जानकारी एसआइएस कमांडेंट अरुण यादव ने दी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई 2025 दिन सोमवार को सिसई प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में भरती कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप में 19 वर्ष से 45 वर्ष के उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि आधिकारिक सेवा में नियुक्ति के लिए उम्मीदवार का शैक्षणिक योग्यता स्नातक पास होना अनिवार्य है। सुरक्षा जवान के लिए 10 वीं पास या फेल एवं सुपरवाइजर के लिए 12 वीं पास होना अनिवार्य है। वहीं अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार भरती कैंप में पहुंच कर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

डेवीडीह और उरु में सर्पदंश से दो घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। जिले के अलग-अलग प्रखंडों में सर्प दंश से दो लोग घायल हो गए। शनिवार के शाम 6 बजे दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। पहली घटना गुमला थाना क्षेत्र के डेवीडीह गांव की है जहां 40 वर्षीय एतवा उरांव खेत से काम कर अपने घर लौट रहा था। तभी रास्ते में पैर के नीचे सांप आ गया। सांप उसके पैर को काटकर तेजी से बिल में घुस गया। जानकारी के मुताबिक एतवा खेत से काम कर घर लौट रहा था रास्ते में पैर हाथ धोने के लिए चूआँ जा रहा था तभी एक सांप उसके पैर को काट लिया। इसके बाद घर आकर उसने कटे हुए स्थान पर तुलसी लगाया। दूसरी घटना कुरूम गढ़ थाना क्षेत्र के उरू गांव की है जहां 61 वर्षीय फ्रांसिस टोप्पो अपने घर के आंगन में बाथरूम से निकल रहे थे। तभी एक करेंत सांप उनके पैर के नीचे आ गया। जिसके बाद उसके पैर को डस लिया। वृद्ध सोचा की कुछ नहीं होगा वही गांव के एक व्यक्ति ने गुड में जड़ी बूटी मिलकर उसे खाने के लिए दिया। लेकिन शाम होने तक उसके पैर में तेज लहर व जलन होने लगी। जिसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया।

भरनो के कांवरियों का जत्था बाबाधाम पहुंचा

भरनो (आजाद सिपाही)। रविवार को भरनो स्कूल चौक से कावरियों का एक जत्था बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। देवघर के लिए निकलते हुए कांवरियों ने गांव के शिवालय, देवी मंडप और अपने बड़े बुजुर्ग को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। साथ ही गांव, पंचायत और प्रखंड सहित देश की सुख शांति और समृद्धि के लिए बाबा बैद्यनाथ से प्रार्थना करने की बात कही। बाबाधाम जाने वालों में विवेक केशरी, पंकज केशरी, निखिल केशरी, उज्जवल केशरी, सुजल केशरी, विशाल केशरी, महादेव उरांव शामिल है।

सदर अस्पताल पार्किंग से बाइक की चोरी

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल के सामने पार्किंग से शनिवार की रात 8 बजे एक बाइक की चोरी कर ली गई। पीड़ित अंबेडकर नगर निवासी सुमित कुमार राम ने बताया शनिवार की रात 8 बजे बीमार बच्चे को दिखाने डॉक्टर के पास आया था वही बाइक को कदम पेड़ के नीचे पार्किंग किया था।

स्पोर्ट्स

प्रतियोगिता में राज्य भर से आए कुल 576 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें बालक और बालिका दोनों वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले

प्रथम राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

तीसरे दिन की टक्कर में लातेहार और गुमला बने लिटिल चैंप्स के चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य स्तरीय प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का आज बीआईटी मेसरा, रांची में भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव सौरभ तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ. इंद्रनील मन्ना एवं राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए सोरेंग मंचासीन थे। मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि नन्हे-मुन्ने बच्चों के इस फुटबॉल महाकुंभ ने झारखंड के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। बच्चों में खेल के प्रति जो जोश और अनुशासन देखा गया, वह निश्चित ही भविष्य में राज्य को फुटबॉल की दुनिया में विशेष पहचान दिलाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि झारखंड राज्य क्रिकेट संघ राज्य में ऐसे आयोजनों के लिए भविष्य में शिक्षा विभाग को हरसंभव सहयोग करेगा।कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, ‟झारखंड जिस तरह खनिज संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार वह अब प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की धरती के रूप में भी जाना जायेगा। प्रतियोगिता में राज्य भर से आए कुल 576 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें बालक और बालिका दोनों वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सह सचिव झारखंड राज्य क्रिकेट संघ, कुलपति बीआइटी मेसरा इंद्रनील मन्ना एवं राज कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने संयुक्त रूप से प्रदान किये।

खटाल की आड़ में चल रहे नकली मिनी शराब कारखाने का भंडाफोड़

ब्रांडेड कंपनियों की 70 पेटी नकली शराब जब्त, बिहार भेजने की थी तैयारी

मकान मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। पुलिस ने लोदना मोड़ में रविवार को छापामारी कर मिनी अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान मौके से डेढ़ ड्राम कच्चा स्प्रिट और 70 पेटी ब्रांडेड कंपनी के नकली शराब जब्त किया गया है। साथ ही ब्रांडेड कंपनी के खाली बोतल, रैपर और पंचिग मशीन भी जब्त की गयी है। इस दौरान मौके से सीताराम यादव नामक एक व्यक्ति को भी हिरासत मे लेकर पूछताछ शुरू की गयी है। लगे हाथ पुलिस धंधेबाज विजय और दिलीप यादव की तलाश में जुटी है। हालांकि शराब जब्ती के मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी बताने से इनकार कर रही है। सूत्रों की मानें तो सीताराम के खटाल स्थित एक मकान में कई महीनों से नकली शराब बनाने का धंधा चल रहा था। जिसकी भनक लगते ही झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशीरंजन कुमार दल बल के साथ छापामारी करने पहुंच गये। हालांकि पुलिस के लोदना मोड़ पहुंचने की खबर से ही उक्त घर को बंद कर दिया गया, जिसमें शराब बनाने का धंधा चल रहा था। पर पुलिस ने मकान मालिक सीताराम से उस घर की चाभी मांगी। दरवाजा खोलने के बाद देखा कि भारी मात्रा में ब्रांडेड कंपनी का शराब तैयार कर कार्टून में बंद कर रखा गया था। वहीं रैपर, पंचिग मशीन भी पास ही पड़े मिले। उधर, स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि यहां रात के अंधेरे मे नकली शराब का निर्माण किया जा रहा था। रात होते ही बाहरी कुछ लोग यहां आते थे। घर में घूसते ही अंदर से दरवाजा बंद कर दिया जाता था। शराब बनाने के बाद अहले सुबह ही सभी चले जाते थे। बता दें कि तीन साल पहले भी झरिया पुलिस ने बर्फकल के पास छापामारी कर अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था।

जब्त शराब को ले जाती पुलिस।

बिहार में खपयी जाती थी नकली शराब

धंधेबाज यहां बनी नकली शराब धनबाद और झरिया के अलावा बिहार के जमुई, नवादा, गया एवं औरंगाबाद के अलावा कई अन्य जिलों में नकली शराब खपा रहे थे। जब्त शराब को भी बिहार में खपाने की तैयारी थी। रविवार की रात को ही वाहन के माध्यम से इस शराब को बिहार जाना था। लेकिन उससे पहले पुलिस को भनक लग गयी और छापामारी कर उसे जब्त कर लिया गया। बताया जा रहा कि धंधेबाज विजय और दिलीप बिहार के जमुई के ही रहने वाले है। इस कारण उन्हें शराब खपाने में आसानी होती थी। इस बाबत झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशीरंजन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर बड़े पैमाने पर नकली शराब जब्त की गयी है। हालांकि धंधेबाज फरार हो गये हैं। उनको पकड़ने के लिए लगातार छापामारी की जा रही है।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट

धनबाद में दो अगस्त तक अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। आइआइटी आइएसएम के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। एक अगस्त को यहां राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके साथ राज्यपाल और मुख्यमंत्री हेमंतसोरेन भी शामिल होंगे। कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी सरकारी अफसर और कर्मचारियों की छुट्टी रविवार से आगामी दो अगस्त तक रद्द कर दी है। अब विशेष परिस्थिति में ही अधिकारी और कर्मचारियों को छुट्टी मिल पाएगी। सभी सरकारी कार्यालय में छुट्टी लेने के लिए जिला प्रशासन की अनुमति ली जाएगी। डीसी के निर्देश के बाद ही छुट्टी के लिए अनुमति मिल पाएगी।

अस्पतालों में अलर्ट रहेंगे डॉक्टर-कर्मचारी

31 जुलाई से दो अगस्त तक शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और सदर अस्पताल में डॉक्टर और कर्मचारियों को अलर्ट किया गया है। दोनों अस्पताल के इमरजेंसी में जीवन रक्षक दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके साथ ही दोनों जगह पर एंबुलेंस अलर्ट मोड पर रहेंगे। स्टील गेट से लेकर मेडिकल कॉलेज के रास्ते तक एक भी फुटपाथी दुकान नहीं रहेंगे। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने भी अपने डॉक्टर और कर्मचारियों को अलर्ट जारी किया है। अस्पताल में समय पर पहुंचने और ड्रेस कोड में आने को कहा गया है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम तैनात रहेगी। इसमें डॉक्टर के अलावा प्रशिक्षित कर्मचारी भी रहेंगे। इससे पहले तीन निजी अस्पतालों से कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियक एम्बुलेंस लिए गए हैं। एक राष्ट्रपति, दूसरा राज्यपाल और तीसरा मुख्यमंत्री के लिए कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियक एम्बुलेंस तैनात होंगे।

साइकिलिंग व्यायाम ही नहीं, स्वस्थ जीवन और पर्यावरण के लिए भी जरूरी: कमांडेंट

- 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' पहल के तहत सीआइएसएफ ने निकाली साइकिल रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की बीएसएल इकाई की ओर से 'खेलो इंडिया' योजना और 'फिट इंडिया' पहल के तहत रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य जवानों और अधिकारियों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। रैली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी रैंकों के कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साइकिल यात्रा के दौरान संयंत्र और पास के क्षेत्र में फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समादेष्टा मोहम्मद नैयर आजम खान ने साइकिल चलाने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्फूर्ति को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी कार्मिकों को दैनिक जीवन में साइक्लिंग को अपनाने और इसे एक आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

श्री साईं अस्पताल में हुआ मॉक ड्रिल

आइइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया श्री साईं अस्पताल में रविवार को सभी नर्सिंग स्टाफ एवं कर्मी के समक्ष तेनुघाट के अग्निशमन पदाधिकारी अखिलेश पासवान एवं राजेश कुमार वर्णवाल के नेतृत्व में मॉक ड्रिल किया गया। जिसमें संबंधित दुर्घटना या एलपीजी गैस तैलीय पदार्थ लीक होने के वजह से आग लगने या विस्फोट होने पर आग लगने के बाद बचाव को लेकर प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर अचानक आग लगने की घटना होने पर अग्निकांड से बचने एवं नुकसान रोकने के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारी अखिलेश पासवान द्वारा मॉक ड्रिल कर दिखाया गया। साथ ही आग बुझाने के तरीकों को समझाया गया। बताया गया कि किस तरीके से प्रयास करने पर आग पर जल्द काबू पाया जा सकता है। आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में दमकल विभाग के हेल्प लाइन नंबर 101 और 112 पर कॉल करके सूचना देने, धैर्य से काम लेने को कहा गया। इस प्रायोगिक अभ्यास में नर्स स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अग्नि सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों को गंभीरता से सुना और खुद भी आग बुझाने के यंत्र का प्रयोग कर इसका अभ्यास किया। इस अवसर पर सांई अस्पताल गोमिया के स्टाफ आदि मौजूद थे।

नेताजी आई अस्पताल में थरमस-पानी का वितरण

धनबाद (आजाद सिपाही)। समाज सवियों ने दानदाताओं के सहयोग से पुरुलिया जिले के रामचंद्रपुर स्थित नेताजी आई अस्पताल में मरीजों के लिए 40 थरमस और पानी की बोतलें वितरित की। बतातें चलें कि उक्त अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद लोगों के आंखों का इलाज और मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेंस सहित निःशुल्क किया जाता है। इसमें झारखंड और पश्चिम बंगाल के मरीज इलाज के लिए आते हैं। इस मौके पर रॉबिन चटर्जी, अजय चौधरी, दिलीप चौधरी, अमित कुमार, नयन विश्वास, तपन चक्रवर्ती, प्रणब कुमार दास, संदीप घोष, राजेश कुमार और नीलकमल खवास आदि उपस्थित थे।

महिला मंडली ने की जोरापोखर में अवैध लॉटरी की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शहजादी खातून के नेतृत्व में महिला मंडली ने रविवार को जोरापोखर थाना प्रभारी से मिलकर शिकायत पत्र सौंपा। जिसमें अवैध लॉटरी टिकटों की बिक्री पर रोक लगाने एवं लॉटरी संचालक तनवीर अंसारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गयी। महिलाओं ने प्रभारी से कहा कि लॉटरी विक्रेता भोले-भाले लोगों को रातोंरात लखपति-करोड़पति बनाने का लालच देकर अवैध लॉटरी टिकटों की खरीद-बिक्री करवा कर उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई को खुद हड़क पर मालामाल हो रहे है। जबकि लखपति-करोड़पति बनने के चालत में गरीब अपना सब कुछ लुटाकर बर्बाद हो रहे हैं। वहीं, इससे झारखंड सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। उधर, थाना प्रभारी ने महिलाओं की मांग पर आश्वासन दिया कि जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर महिला नेत्री ने कहा कि जामाडोबा बड़कीटांड के निवासी तनवीर अंसारी बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित और नकली लॉटरी टिकटों की जोरापोखर अंचल के भौंरा, जयरामपुर, लोदना, डिगवाडीह, भागा, फुसबंगला, झरिया, पाथरडीह और नुनूडीह आदि क्षेत्रों में बेचा जा रहा है। जिसे खरीद कर लोग बर्बाद हो रहे हैं। मालूम हो कि पिछले वर्ष लॉटरी टिकट विक्रेता की मिली शिकायत के बाद निवर्तमान थानेदार ने अभियान चलाकर जामाडोबा से करीब छह बोरों में भरकर रखे अवैध लॉटरी टिकटों को जब्त किया था। साथ ही तनवीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई थी। पर थानेदार के स्थानांतरण होते ही तनवीर ने फिर से क्षेत्र में अवैध लॉटरी टिकटों के कारोबार को फैलाना शुरू कर दिया है। महिलाओं ने कहा कि पुलिस ने अवैध लॉटरी टिकटों की बिक्री पर रोक नहीं लगाई तो महिला मोर्चा अवैध लॉटरी के खिलाफ सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस मौके पर रेखा देवी, गिरजा देवी और सावित्री देवी आदि उपस्थित रहीं।

धनबाद एनजीओ एसोसिएशन का असर्फी अस्पताल में सावन मिलन का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद एनजीओ एसोसिएशन की ओर से रविवार को असर्फी अस्पताल के सभाकक्ष में सावन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पिंकी गुप्ता और संचालन पप्पू पंडित ने किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि ज्ञान विज्ञान समिति के उपाध्यक्ष प्रो हेमंत जयसवाल, के अलावा विशिष्ट अतिथि नयन प्रकाश सिंह असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट के अलावा श्वेता किन्नर, विभा रानी सिंह और बाबी पांडेय भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इसके बाद सावन से जुड़े कविता पाठ ममता बनर्जी ने किया। एनजीओ से जुड़े क्वीज गणेश शर्मा, भारतनाट्यम नृत्य रिद्धि-सिद्दी ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक सत्यजीत सोनू, मिशन हैप्पी धनबाद के एजाज अली, धनबाद कोचिंग एसोसिएशन के मनोज सिंह, बिरसा मुंडा स्काउट एंड गाइड, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, इनाम सेवा संस्थान, मुस्कान एक प्रयास, पंख एक नई दिशा चैरिटेबल ट्रस्ट, सलिम फाऊंडेशन फिरदौस खान, नेहा सिंह, मुस्कान आदि थे।

कथारा ओपी पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

कथारा (आजाद सिपाही)। ओपी थाने की पुलिस एवं शस्त्र बल के जवान ने प्राथमिक अभियुक्त आमिर साईं के खेतको गांव के पारटांड टोला स्थित उनके आवास पर जाकर रविवार को इश्तिहार चिपकाया। इस दौरान ओपी थाना के एएसआई कृष्ण नंदन पाठक, शस्त्र बल के जवान अमरुजामा, सचिन उरांव आदि मौजूद रहे।

सीआरपीएफ ने समारोहपूर्वक मनाया 87वां स्थापना दिवस

बोकारो (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 26वीं वाहिनी के तत्वावधान में चास में 87वां स्थापना दिवस रविवार को उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह की शुरूआत 'खेलो इंडिया स्कीम' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत साइकिल रैली से हुई, जिसमें बल के अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया। रैली का उद्देश्य लोगों को कस्वस्थ भारत' का संदेश देना था। इसके बाद द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश चंद्र बादल ने मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और क्वार्टर गार्ड में सलामी लेकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस अवसर पर आयोजित सैनिक सम्मेलन में उन्होंने बल के ऐतिहासिक योगदान, देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ की भूमिका और बल के आदर्शों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का ध्येय संविधान को सर्वोपरि रखते हुए, विधि व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना है ताकि राष्ट्र की एकता और सामाजिक समरसता बनी रहे। संध्याकाल में वॉलीबॉल मुकाबले का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कंपनियों के जवानों ने हिस्सा लिया। विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी जवानों और अधिकारियों के लिए बड़े खाने (कम्युनिटी डिनर) का आयोजन कर समारोह का समापन किया गया। इस समारोह में द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश चंद्र बादल, उप कमांडेंट प्रतिभा यादव, वरीय चिकित्सा अधिकारी डॉ ऋषभ शेखर आदि उपस्थित रहे।

मनायी गयी स्व राम परीखा राम की 14वीं पुण्यतिथि

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। राम परीखा मेमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में रविवार को डिगवाडीह रूप निवास में समाजसेवी दिवंगत राम परीखा राम की 14वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इसमें उपस्थित लोगों ने स्व राम पारीख राम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सर्वप्रथम उनके पुत्र मदन राम, पुत्रवधू रूपाली देवी, पोत्र तेजस चंद्रवंशी और रितिका चंद्रवंशी ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके जीवन के संघर्षो को याद किया। इस मौके पर कार्तिक तिवारी, जितेंद्र पासवान, झारखंड कलवारी मजदूर यूनियन के सपन बनर्जी, झामुमो नेता शमशाद, आशीष सिंह, झामुमो नेता फरीद मल्लिक, झरिया नगर अध्यक्ष झामुमो संगठन सचिव जोगिंदर हरि, झामुमो सचिव झरिया नगर दिलीप महतो, भीम हसदा, कुशवाहा समाज के जिला अध्यक्ष लाल बाबू सिंह, कुशवाहा राजकुमार सोनकर, अरुण चंद्रवंशी, अमेरिक सिंह, गुरुद्वारा प्रधान आदित्य नारायण दिनेश खरवार, आम आदमी पार्टी के महेंद्र सिंह, राजेश कुमार, जितेंद्र यादव, विनोद चंद्रवंशी, सुनील कर, रामनारायण राय, मुन्ना खरवार, दिनेश खरवार, सब शेख, महफूज आलम, अनवर अंसारी, बादशाह खान, शमशाद अंसारी, शमशाद खान, संजय पांडे, जसीम अंसारी, शकीला बानो, दिलीप साहू, बुलाई सिंह और आदित्य नारायण राव आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीसी ने किया अंगवाली-बेहरागोड़ा के जर्जर सड़क का निरीक्षण

अंगवाली-बेहरागोड़ा नहर की जर्जर सड़क को जल्द किया जायेगा दुरुस्त : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। पेटरवार प्रखंड के अंगवाली बेहरागोड़ा नहर सड़क की जर्जर हालत का बोकारो डीसी अजय नाथ झा ने खुद निरीक्षण किया। बतातें चलें कि कुछ दिन पहले अंगवाली-बहरागोड़ा के ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के जरिए डीसी से इसकी शिकायत की थी। जिसे संज्ञान में लेते हुए बोकारो डीसी दिल्ली प्रवास से लौटकर सीधे पेटरवार प्रखंड के अंगवाली बेहरागोड़ा नहर की सड़क पर पहुंचे और निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला प्रशासन की एक टीम भी मौजूद थी। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने मौके पर ही सड़क निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता आरसीडी/बांध प्रमंडल तेनुघाट को अविलंब सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि यह सड़क आरसीडी को हैंड ओवर होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। जबकि आरसीडी के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सड़क का डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा गया गया है। इस पर डीसी ने अब तक की गई कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज जल्द उपलब्ध कराने को कहा। वह अपने स्तर से इसमें तेजी लाने के दिशा में काम करेंगे। डीसी ने मौके पर उपस्थित दोनों कार्यपालक अभियंता को जिले में जिन-जिन स्थानों पर सड़कें जर्जर स्थिति में हैं, उनकी एक समेकित सूची दो दिनों के भीतर तैयार कर जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत और निर्माण कार्य आरंभ किया जा सके। साथ ही बांध प्रमंडल को नहर की नियमित सफाई और आस-पास की झाड़ियों एवं गंदगी को हटाने का भी निर्देश भदिया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। अंगवाली दक्षिणी और अंगवाली पश्चिमी पंचायत के ग्रामीणों ने पीड़ा साझा करते हुए बताया कि वर्षों से यह मार्ग उपेक्षित रहा है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों एवं आम राहगीरों को भारी दिक्कत होती है। इस पर डीसी ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे यहां केवल निरीक्षण के लिए नहीं, बल्कि समस्याओं को सुनकर उसका समाधान करने आये हैं। कहा कि यह सड़क बहुत जल्द दुरुस्त की जाएगी। यह सड़क तेनुघाट बेरमो अनुमंडल अंतर्गत अंगवाली से लेकर बेहरागोडा नहर वाला रास्ता जो बोकारो शहर से जोड़ती हैं जो लगभग दो किलोमीटर तक सड़कों में केवल गड्ढे ही गड्ढे हैं। जिसकी खराब हालत के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भेंडरा में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

नावाडीह/बेरमो (आजाद सिपाही)। भेंडरा के योगेंद्र नगर स्थित प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र में स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 जुलाई के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान की ओर से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं एवं प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित रंगोली बनाकर जागरूकता के रंग बिखेरे। प्रतिभागियों ने अपनी रंगोली कला के जरिए साफ-सफाई, पौधे लगाओ-जीवन बचाओ, डस्टबिन का सही उपयोग करें, गीला-सूखा कचरा अलग करें, जैसे प्रेरणात्मक संदेशों को खूबसूरती से उकेरा। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल प्रतिभागियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना था, बल्कि स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता भी फैलाना था। रंगोली में 'स्वच्छ भारत, सुंदर भारत, 'कचरा अलग करें - गीला और सूखा', और 'स्वास्थ्य है तो जीवन है' जैसे प्रेरक संदेशों को रंगों के माध्यम से जीवंत रूप दिया गया। इस अवसर पर भेंडरा मुखिया नरेश कुमार विश्वकर्मा, प्रशिक्षिका नीतू देवी और पुष्पा देवी उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी जागरूकता की सराहना की। कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन और हरित भारत अभियान को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भी सामाजिक बदलाव की नींव रखी जा सकती है।

चीफ जस्टिस बीआर गवई बोले

फिर से पहले वाला कश्मीर बनाना होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीनगर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को एसकेआईसीसी में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा के उत्तरी क्षेत्रीय सम्मेलन में देशभर के न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कविता के जरिए कहा कि धरती पर कहीं स्वर्ग है तो यहीं है। उन्होंने कहा कि इसे फिर से पहले वाला कश्मीर बनाना होगा जहां सभी समुदाय सद्भाव से रहते थे। साथ ही लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार बेकार हैं।

अधिकारों की वास्तविकता के लिए जागरूकता जरूरी

उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है, और हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने का प्रयास करते हैं - चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक अधिकारों का कोई मतलब नहीं है।

नालसा का दूरदराज के अंतिम नागरिक तक न्याय पहुंचाने का कार्य : पिछले 35 वर्षों में कश्मीर की स्थिति का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। न्याधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना कार्य जारी रखना चाहिए कि देश के सबसे दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले।उन्होंने कहा, ₹देश के संविधान के माध्यम से, हमने खुद से न्याय का वादा किया है, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक। हमारा दायित्व है कि न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुसार लागू किया जाए। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

बाबासाहेब बीआर अंबेडकर ने एक व्यक्ति, एक वोट के माध्यम से राजनीतिक न्याय स्थापित किया, वहीं सामाजिक विभाजन और एक विभाजन से दूसरे विभाजन में जाने की कठिनाई के बारे में भी बात की।

यहां का सूफीवाद संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देता है : जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की अपनी पिछली यात्राओं को याद करते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि उन्हें दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों से अपार प्रेम और स्नेह मिला है। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने गृहनगर आ गया हूं।

मुझ पर बरसाए गए सभी प्रेम और स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी हिस्सों में गया हूं। यहां की सूफीवाद की परंपरा भारत के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देती है। सभी धर्मों के लोग यहां दरगाहों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर आते हैं।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में भगदड़, आठ मरे

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर परिसर में रविवार को भगदड़ से आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गयी, जबकि 29 अन्य घायल हो गये। भगदड़ की घटना मंदिर के अंदर किसी के फिसल कर गिरने के कारण हुई, न कि बिजली का तार टूटने की अफवाह की वजह से। हरिद्वार जिला प्रशासन का कहना है कि वह अफवाह फैलाने वाले एंगल से भी घटना की जांच करेगा। हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट मयूर दीक्षित ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि टूटे तारों में बिजली प्रवाहित होने की अफवाह के बाद भगदड़ मची। हमें तस्वीरों और वीडियो की जांच से पता चला है कि किसी ने बिजली का तार टूटने की अफवाह फैलायी थी।

हालांकि मृतकों और घायलों के शवों को देखने के बाद तार टूटने के संकेत नहीं मिले हैं। घटनास्थल पर कुछ टूटे तार पाये गये हैं, जिससे पता चलता है कि कुछ लोग सीढ़ियों को पकड़ कर ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

घटना सुबह करीब नौ बजे हुई। रविवार होने के कारण बच्चों और महिलाओं सहित श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एक संकरी सीढ़ी से मंदिर की ओर जा रही थी। राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 23 अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के जिला अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। कुछ घायलों को उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने दुख जताया: मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

ऑडिट में खुलासा : 500 रुपये के लिए भैया बने लाडकी बहन

14,298 पुरुषों ने खुद को महिला बता कर महाराष्ट्र सरकार से 21.44 करोड़ ठगे

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए बनायी गयी लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से पैसे लिये। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक ऑडिट में यह खुलासा हुआ है। 14,298 पुरुषों को 21.44 करोड़ रुपये दिये गये, जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में हेराफेरी की और खुद को महिला बता कर रजिस्टर करा लिया। यह खुलासा योजना शुरू होने के लगभग 10 महीने बाद हुआ।

2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गयी यह योजना, भाजपा के नेतृत्व वाले और शिवसेना व राकांपा के महायुति गठबंधन के लिए वोटर्स को लुभाने का जरिया थी। इस योजना के तहत 21 से 65 साल की उम्र की उन महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने दिये जाते हैं, जिनके परिवारों की सालाना कमाई 2.5 लाख रुपये से कम है।

स्कैम के खुलासे के बाद डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि लाडकी बहन योजना गरीब महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गयी थी। हम उन्हें दिया पैसा वसूल करेंगे। अगर वे सहयोग नहीं करते हैं, तो आगे कार्रवाई होगी।

जून 2025 से 26.34 लाख अपात्र निलंबित

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी आवेदनों की पात्रता की पुष्टि के लिए सभी विभागों से जानकारी मांगी थी। उसके मुताबिक लगभग 26.34 लाख लाभार्थी अपात्र होने के बावजूद योजना का लाभ उठा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर जून 2025 से इन 26.34 लाख आवेदकों के लिए लाभ अस्थायी रूप से निलंबित कर दिये गये हैं। योजना के लगभग 2.25 करोड़ पात्र लाभार्थियों को जून 2025 के महीने का पैसा भेजा गया है।

महिला बाल विकास के ऑडिट की बड़ी बातें : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की इसी रिपोर्ट के मुताबिक फर्जी रजिस्ट्रेशन के कारण योजना को पहले ही साल में 1640 करोड़ का नुकसान हुआ है।

सबसे बड़ा दुरुपयोग 7.97 लाख से ज्यादा महिलाओं के एक ही परिवार से तीसरी लाभार्थी के होने से हुआ। योजना में स्पष्ट रूप से प्रति परिवार केवल 2 महिलाओं को लाभ देने की सीमा है। इस नियम के उल्लंघन से सरकारी खजाने को 1196 करोड़ रका नुकसान हुआ।

एक और अनियमितता यह है कि 65 साल से ज्यादा उम्र की 2.87 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है, जबकि एज लिमिट निर्धारित है। इन लाभार्थियों के कारण लगभग 431.7 करोड़ का नुकसान हुआ।

इसके अलावा, चार पहिया वाहन रखने वाले परिवारों की 1.62 लाख महिलाएं भी लाभार्थी सूची में शामिल पाई गईं। योजना की शर्तों के अनुसार, ऐसी महिलाएं वित्तीय सहायता की पात्र नहीं हैं।

मेरठ में ड्रोन को देखते ही युवक ने छत पर चढ़कर कर दी फायरिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दर्जन गांवों में रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखायी दिये। ड्रोन को देख खानपुर गांव में एक युवक ने उस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद ड्रोन चला गया। पुलिस ने गांव में कांबिंग कर ड्रोन एवं उन्हें चलाने वालों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। कई गांवों में ड्रोन दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

परतापुर के घोपला, गगोल, काशी, गून, भूड़बराल, महरौली, खानपुर, गोठड़ा, घाट, बराल परतापुर सहित एक दर्जन गांवों में रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिए। ग्रामीणों ने 112 एवं थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन एवं उन्हें उड़ाने वालों की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

वहीं खानपुर गांव में ड्रोन देखने के बाद एक युवक ने छत पर खड़े होकर ड्रोन पर शॉट गन से फायरिंग कर दी। इसके बाद ड्रोन जंगल की ओर चला गया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** **:** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**